वैशाख शुक्ल पक्ष तृतीया संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 302 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
30 अप्रैल 2025 बुधवार

आज का मौसम
42 अधिकतम
23 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

पाकिस्तान को खुद पर 36 घंटे में हमले की आशंका, भारत में सीसीएस की बैठक, कुछ होने वाला है ?

आखिरकार... सुपर कैबिनेट में तय हो गए टारगेट!

नई दिल्ली, एजेंसी।

पहलगाम आतंकी हमले के आठ दिन बाद भी तनाव चरम पर है। भारत के 'मूड' को भांपते हुए पाकिस्तान को सोते जागते भारत के हमले का डर सता रहा है। इस बीच आज भारत में प्रधानमंत्री आवास पर सुरक्षा मामलों की कैबिनेट कमेटी यानि सीसीएस की बैठक हुई। इसमें गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मौजूद रहे। सीसीएस की यह दूसरी मीटिंग हैं, पहली मीटिंग पहलगाम अटैक के अगले दिन 23 अप्रैल को हुई थी। खास बात यह है कि पांच साल पहले सीसीएस बैठक के बाद ही बालाकोट में भारत ने सर्जिकल स्ट्राइक की थी। आज सीसीएस बैठक के तुरंत बाद कैबिनेट कमेटी ऑन पार्लियामेंट्री अफेयर्स की मीटिंग भी हो रही है। इस कमेटी को सुपर कैबिनेट भी कहा जाता है। इसके बाद आर्थिक मामलों की कमेटी और केंद्रीय कैबिनेट की बैठक होगी। माना जा रहा है कि भारत सरकार हर पहलू पर चर्चा के बाद पाकिस्तान पर अपने 'फैसले' की तरफ बढ़ेगी। इससे पहले भी कल शाम मोदी ने तीनों सेना प्रमुख, एनएसए अजीत डोभाल, सीडीएस अनिल चौहान के साथ डेढ़ घंटे तक मीटिंग की थी और मोदी ने सेनाओं को फ्री-हैंड देते हुए कहा कि सेना ही आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई का तरीका,

लक्ष्य और समय तय करे। भारत में कल से ही सरकार के ताजा रुख को देखकर सरगर्मी बढ़ी हुई है। दूसरी तरफ पाकिस्तान की ओर से भी लगातार बयानबाजी हो रही है। आईटी मिनिस्टर अताउल्लाह तारड़ ने देर रात कहा कि भारत अगले 24 से 36 घंटे में पाकिस्तान पर हमला कर सकता है। हमारे पास हमले की पुख्ता जानकारी है। पाक के डर का यह आलम है कि तरार ने कहा कि भारत जम्मू और कश्मीर में हाल ही में हुए पहलगाम हमले को भारत अब पाकिस्तान पर हमला करने के लिए बहाने के तौर पर इस्तेमाल कर रहा है। इसी बौखलाहट में पाकिस्तान सीमा पर भी गोलीबारी कर रहा है। पाकिस्तानी सेना ने लगातार छठी बार सीजफायर का उल्लंघन किया है। एलओसी पर बारामूला और कुपवाड़ा सेक्टर में फायरिंग की, जिसका भारत ने जवाब दिया।

गैंगस्टर लॉरेंस की पाकिस्तान को धमकी- इधर पहलगाम हमले के बाद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के ग्रुप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट जारी किया है। इस पोस्ट में आतंकी हाफिज सईद की तस्वीर पर क्रॉस लगाकर लिखा गया है- हम पाकिस्तान में घुसकर एक ऐसा आदमी मारेंगे जो एक लाख के बराबर होगा।

संयुक्त राष्ट्र ने कहा- युध्द के परिणाम विनाशकारी

■ संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने भारत और पाकिस्तान के बीच जारी तनाव पर अहम बयान दिया है। गुटेरेस ने भारत के विदेश मंत्री एस.जयशंकर और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहनावाज शरीफ से फोन पर बात की और संयम बरतने की अपील की। गुटेरेस का कहना है कि भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध के विनाशकारी परिणाम हो सकते हैं। यह टकराव दुनिया को बर्दाश्त नहीं है। दोनों देश ऐसे कदम उठाने से बचें, जिनके परिणाम दुखद हो सकते हैं।

जनरल मुनीर पर भड़के लोग तो हो गए अंडरग्राउंड

■ वहीं पाकिस्तान में हड़कंप के बीच पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर के अंडरग्राउंड होने की खबरे हैं। बताया जा रहा है उन्होंने परिवार को विदेश भेज दिया है तथा खुद किसी बंकर में छिपे हैं। पहलगाम में आतंकी हमले की साजिश में भी मुनीर का नाम उछल रहा है। पाकिस्तान के भीतर उनके खिलाफ आवाजें उठ रही है। पत्रकारों से लेकर रिटायर्ड फौजी अफसर तक मुनीर को खरी-खोटी सुना रहे हैं कि मुनीर की भड़काऊ सोच ने ही पाकिस्तान को इस मुसीबत में डाला है।

बॉर्डर पर एंटी-ड्रोन सिस्टम

■ पंजाब सरकार ने बुधवार को कहा कि पाकिस्तान से जुड़े बॉर्डर पर एंटी-ड्रोन सिस्टम तैनात किया जाएगा। राज्य सरकार ने पहलगाम हमले के बाद यह फैसला लिया है। पंजाब के मुख्यमंत्री कार्यालय ने कहा कि इस सिस्टम से ड्रग्स और हथियारों की सप्लाई रोकी जा सकेगी। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां किसी भी तरह की घुसपैठ पर नजर रख सकेंगी और उसको नाकाम कर सकेंगी।

तपते भोपाल की तरफ मुड़ेंगे बादल, बारिश संभव

भोपाल, दोपहर मेट्रो। मध्यप्रदेश के करीब 40 जिलों में 2 और 3 मई को बारिश हो सकती है। जिन जिलों में मौसम बदलेगा, उनमें अब भोपाल, जबलपुर और ग्वालियर भी शामिल हैं। वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) के एक्टिव होने से

ऐसा होगा। हालांकि, इससे पहले 30 अप्रैल और 1 मई को प्रदेश में गर्मी का असर रहेगा। उज्जैन संभाग में लू चल सकती है। इधर, नर्मदापुरम जिले के डोलरिया में मंगलवार शाम को आई तेज आंधी से राजपूत समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन के लिए लगाया गया टेंट गिर गया। मौसम विभाग के अनुसार, बुधवार को रतलाम, नीमच-मंदसौर में लू का अलर्ट है। वहीं, रीवा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, शहडोल और अनूपपुर में हल्की बारिश हो सकती है।

शराबबंदी कानून का गलत इस्तेमाल, पुलिस पर जुर्माना

बेगूसराय, एजेंसी। पटना हाईकोर्ट ने बिहार सरकार पर 2 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना शराबबंदी कानून के गलत इस्तेमाल के कारण लगाया गया है। बेगूसराय में एथेनॉल से भरे एक टैंकर को गलत तरीके से जब्त करने के मामले में यह आदेश दिया गया। कोर्ट ने कहा कि सरकार ने बिना वजह टैंकर को जब्त किया। कोर्ट ने इस मामले में दोषी अधिकारियों पर

कार्रवाई करने का भी आदेश दिया है। बेंच ने मधु ट्रांसपोर्ट की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह फैसला सुनाया। याचिका में कहा गया था कि उनका टैंकर 40000 लीटर एथेनॉल लेकर बरौनी रिफाइनरी जा रहा था। बरौनी रिफाइनरी इंडियन ऑयल कंपनी का है। टैंकर के पास सभी जरूरी कागजात थे। फिर भी पुलिस ने शक के आधार पर उसे जब्त कर लिया। पुलिस ने शराब कानून के तहत एफआईआर भी दर्ज कर दी। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि जब टैंकर को जब्त किया गया, तब उसमें पूरा 40,000 लीटर एथेनॉल था।

अक्षय तृतीय पर विवाह सम्मेलनों में यादव

सीएम ने कहा-डिजिटल युग में जोड़ों को सामंजस्य बनाना आवश्यक

भोपाल/उज्जैन, दोपहर मेट्रो।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने अक्षय तृतीया पर्व की लोगों को शुभकामना दी हैं और वे आज वे मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत हुए कार्यक्रमों में शिरकत कर रहे हैं और नवविवाहित जोडों को भेंट व आर्शीवाद दे रहे हैं। यह कार्यक्रम शिवपुरी, इंदौर, धार, हरदा ,छिंदवाड़ा और पन्ना जिलों में हो रहे हैं। यादव ने सम्मेलनों में वीसी के माध्यम से शिरकत की और कहा कि आज जो मिलता है वो हमेशा बढ़ता ही जाता है। जिसका कभी क्षय नहीं हो, वो अक्षय है। इस सुअवसर पर छिंदवाड़ा में 929, पन्ना में 915, आनंदधाम शिवपुरी

मुख्यमंत्री उज्जैन में अक्षय तृतीया पर आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में।

में 80, इंदौर में 121, पंधानिया जिला धार में 80, ग्राम नयागांव जिला हरदा में 80 बेटियां विवाह के बंधन में बंधे। स्मार्टफोन और डिजिटल युग में रिश्तों में कोई संकट न आए, इसके लिए पति-पत्नी दोनों को एकाग्रता के साथ समांजस्य स्थापित करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि सामूहिक विवाह आयोजनों से कई अनावश्यक खर्चों से मुक्ति मिलती है। मुख्यमंत्री कन्यादान सामूहिक विवाह आयोजन में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव धार में विभिन्न विकास कार्यों का भूमि-पूजन एवं लोकार्पण भी करेंगे व किसानों, संबल हितग्राहियों को 2400 करोड़ की राशि ट्रांसफर करेंगे।

गंगोत्री व यमुनोत्री धाम के कपाट खुले, हेलिकाप्टर से बरसे फूल

देहरादून, एजेंसी। आज से चारधाम यात्रा की शुरूआत हो गई है। सबसे पहले गंगा की डोली गंगोत्री धाम पहुंची और विधिवत पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद सुबह 10:57 बजे कपाट खुले गए। यमुनोत्री धाम

के कपाट सुबह 11:55 बजे खुले। गंगोत्री धाम में पूजा के दौरान हेलिकॉप्टर से फूल बरसाए गए। सीएम पुष्कर सिंह धामी भी गंगोत्री धाम पहुंचे। जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद हैं। यमुनोत्री में पहले दिन 10 हजार लोग आएंगे। केदारनाथ धाम के कपाट 2 मई और बद्रीनाथ धाम के कपाट 4 मई को खुलेंगे। पिछले साल भारी बारिश के बाद केदारनाथ मार्ग को हुए नुकसान की वजह से यात्रा 15 दिनों से ज्यादा समय तक बाधित रही थी।

वक्फ कानून : आज रात आधे घंटे लाइट बंद करके होगा विरोध

भोपाल, दोपहर मेट्रो। मध्यप्रदेश में वक्फ कानून के खिलाफ मुस्लिम समाज आज रात अनोखा सांकेतिक विरोध करेगा। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड तहफ्फुज-ए-औकाफ की अगुआई में पूरे प्रदेश में मुस्लिम समाज से अपील

की गई है कि आज 30 अप्रैल की रात 9 बजे से 9:30 तक अपने घरों और दुकानों की लाइटें बुझाकर विरोध जताएं। इस शांतिपूर्ण विरोध का मकसद वक्फ संपत्तियों से जुड़े कानून में प्रस्तावित बदलावों के खिलाफ एकजुटता दिखाना है। इसे मुस्लिम समाज की धार्मिक और सामाजिक धरोहरों पर 'हमला' करार देते हुए विरोध की यह पहली कड़ी मानी जा रही है। कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद ने अपील की है कि समाज के लोग पूरे अनुशासन और एकता के साथ इस विरोध में शामिल हों।

होटल में भीषण आग, 14 की मौत, छत से कूदे कई लोग

कोलकाता, एजेंसी।

बीती दे रात कोलकाता के फालपट्टी मछुआ इलाके में एक होटल में आग लगने से 14 लोगों की मौत और 13 लोग घायल हो गए। आग पर काबू पा लिया गया है। 22 लोगों को बचाया गया लोगों ने बालकनी से कूदकर जान बचाई है। पुलिस के मुताबिक, मरने वालों में दो महिलाएं और 1 बच्चा शामिल है। वहीं, 11 पुरूष मृतकों में से 8 की पहचान कर ली गई है। बताया जाता है कि आग ऋतुराज होटल में रात लगी थी

और सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और पुलिस की टीमों ने मौके पर पहुंचकर राहत-बचाव का काम शुरू किया। अब तक 14 शव निकाले जा चुके हैं। हादसे की जांच के लिए स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम बनाई गई है। शुरुआती जांच में पता चला है कि होटल की चौथी मंजिल पर लगे बिजली मीटर में शॉर्ट सर्किट होने से आग लगी। घटनास्थल पर मौजूद एक शख्स ने बताया कि जान बचाने के लिए कई लोग होटल की छत और खिड़कियों से कूदते नजर आए।

सीमा हैदर की बेटी बनी ढाल, डिपोर्ट नहीं होगी !

नोएडा, एजेंसी।

पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तानियों को वापस उनके देश भेजा जा रहा है। ऐसे में दो साल से भारत में रह रही सीमा हैदर ने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर कर अपने लिए रियायत मांगी है। नेपाल के रास्ते अवैध तरीके से भारत आई पाकिस्तानी नागरिक सीमा हैदर फिलहाल ग्रेटर नोएडा में रह रही है। प्रेमी सचिन मीणा से शादी करने के बाद वह सीमा सचिन मीणा बन चुकी है। हांलाकि पाकिस्तानियों को डिपोर्ट किए जाने के बाद से सवाल उठ रहे हैं कि सीमा हैदर का क्या होगा। सीमा के वकील एपी सिंह का दावा है कि पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तानियों की जो लिस्ट बनी

है, उसमें सीमा का नाम नहीं है। डेढ़ महीने पहले भारत में पैदा हुई सीमा की बेटी उसके लिए सुरक्षा कवच है। सीमा ने वीडियो में कहा है कि मैं पाकिस्तान की बेटी थी, लेकिन अब बहू भारत की हूं। मैं पाकिस्तान नहीं जाना चाहती।

आज आईपीएल से बाहर हो जाएगी धोनी की सीएसके!

मुंबई, एजेंसी। आईपीएल में आज चेन्नई सुपर किंग्स का सामना पंजाब किंग्स से शाम को हो रहा है। सीएसके 9 मैचों में अब तक 2 जीत और 7 हार से महज 4 पॉइंट्स लेकर सबसे नीचे 10वें नंबर पर है। यदि आज का मैच यह टीम हारी तो इसका प्लेआफ का सफर खत्म हो जाएगा। मैच

जीतकर भी टीम इसी पोजिशन पर रहेगी, लेकिन प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें बनाए रखने के लिए टीम को अपने आज समेत बाकी चारों मैच जीतने होंगे। यह असंभव लग रहा है। फिर आखिरी 4 मैच जीतकर भी फायदा नहीं होगा। टीम के कप्तान एमएस धोनी खुद के कमजोर प्रदर्शन के चलते सभी को निराश कर रहे हैं। उन्हें मैच हराने वाली मशीन कहा जाने लगा है। टीम के सबसे बड़े चेहरे एमएस धोनी कभी 9वें नंबर बैटिंग करने उतरे हैं तो कभी इतना धीमा खेलते है कि टारगेट पहुंच से दूर निकल जाता है,कभी वे रनों के लिये पिच पर संघर्ष करते और बॉल जाया करते दिखे हैं।

मेट्रो एंकर गरीब परिवारों के लिए सुविधा के नाम पर नई राह निकाली

अफसरों-रसूखदारों के बच्चों को झटका, योजना पर कैंची

जयपुर, एजेंसी।

देश विदेश के टॉप इंस्टीट्यूट और विश्वविद्यालयों में मुफ्त शिक्षा योजना पर राजस्थान हाईकोर्ट ने हैरानी जताई है। क्योंकि योजना का लाभ आईएएस, आईपीएस और बड़े पूंजीपतियों के बच्चे उठा रहे हैं। ऐसे में याचिकाकर्ता मनजीत सिंह देवड़ा का तर्क था कि यह योजना प्रतिभावान और जरूरतमंद छात्र-छात्राओं के लिए है जबकि इसका लाभ बड़े अफसरों और अमीर परिवारों के बच्चे उठा रहे हैं। हाईकोर्ट ने इस मामले की सुनवाई करते हुए ई-3 श्रेणी यानी 25 लाख रुपए से ज्यादा की सालाना आय वाले आवेदनकर्ताओं की छात्रवृत्ति रोकने के आदेश दे दिए हैं। कोर्ट ने माना कि योजना के असली हकदार गरीब परिवारों के प्रतिभावान छात्र छात्राएं हैं जबकि इसका लाभ पैसे वालों और राजनैतिक रसूख वालों के बच्चे उठा रहे हैं। यह योजना पूर्ववर्ती

कांग्रेस सरकार ने शुरू की थी। तत्कालीन सीएम अशोक गहलोत ने 2021 में योजना की घोषणा की थी। इसका नाम राजीव गांधी स्कॉलरशिप फॉर एकेडमिक एक्सीलेंस योजना था। मौजूदा सरकार ने इस योजना से राजीव गांधी का नाम हटाकर विवेकानंद स्कॉलरशिप फॉर एकेडमिक एक्सीलेंस योजना कर दिया है। कोर्ट ने सरकार से पूछा कि क्यों ना इस श्रेणी की स्कॉलरशिप को ही बंद कर दिया जाए। इस तरह से जनता के पैसों को बर्बाद होते हुए नहीं देखा जा सकता।

लाभार्थियों के नाम छिपाए, कोर्ट नाराज

■ इस याचिका की सुनवाई जस्टिस अनूप ढंढ की अदालत में हुई। पिछली सुनवाई के दौरान कोर्ट ने सरकार को निर्देश दिए थे कि तीनों श्रेणियों (ई-1, ई-2 और ई-3) लाभार्थियों की सूची और उनके माता पिता का विवरण कोर्ट में पेश करें। आदेश के बावजूद सरकार ने लाभार्थियों की सूची पेश नहीं करने पर हाईकोर्ट ने नाराजगी जाहिर की। जस्टिस अनूप ढंढ ने कहा कि जिन परिवारों की सालाना आय 25 लाख रुपए से ज्यादा है, उनके बच्चों को भी लाखों रुपए की स्कॉलरशिप दी जा रही है। यह सच्चाई लोगों के सामने आनी चाहिए।

भेल को दी जमीन उपयोग करने की पक्की रणनीति

सीएम के निर्देश के बाद मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र की डेडलाइन तय होगी

मेट्रो को उपयोगी बनाने के एंगल से शुरू हुई कवायद

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल व इंदौर में मेट्रो को उपयोगीबनाने की दिशश में काम तेज हो रहा है। दरअसल सीमएम मोहन यादव ने अफसरों को कहा है कि अभी कई पाइंट ऐसे हैं, जहां से कोई न तो मेट्रो पकड़ सकता है और न ही वहां उतर सकता है। ऐसे पाइंटों को कम कर उपयोगी स्थानों पर पाइंट बनाएं।

भेल को दी खाली जमीन के उपयोग का पक्का मॉडल हो, मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र पर केवल बात ही न हो, काम भी शुरू करें और उसकी डेडलाइन तय करके आगे बढ़ें। परिणाम आने चाहिए, तभी बात बनेगी।

सीएम ने कहा कि भेल से जब तक जमीन नहीं मिल जाती, तब तक विकास मॉडल के आधार पर काम करें, ये ऐसे मॉडल हो जिनमें भेल की अतिक्रमण युक्त व खाली पड़ी जमीनों का उपयोग हो सके, जो भोपाल व भेल दोनों के कल्याण से जुड़े हो। सीएम ने ये निर्देश भोपाल के विकास को लेकर बुलाई बैठक में दिए है। उन्होंने पूर्व में हुई बैठकों में दिए कई बिंदुओं के पालन प्रतिवेदन पर चर्चा की व कहा कि बड़ा तालाब हमारी शान है, इसके साथ जरा भी छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं की जाएगी, कोई भी नए निर्माण नहीं होने चाहिए। भोपाल के शहरी सीमा की खाली जमीन की मैपिंग हो, विकास के लिए शत-प्रतिशत उपयोग करें। सीएम ने कहा कि जिन क्षेत्रों को मेट्रोपॉलिटन में शामिल किया जाना है, वहां विकास से जुड़े कामों के भूमिपूजन से पहले सोच लें, देखें कि जो निर्माण करने जा रहे हैं, वह भविष्य की जरुरत को पूरा करेंगे या नहीं। कुल मिलाकर सुनियोजित विकास के आधार पर ही भूमिपूजन करें।

विकास का कॉरिडोर

सीएम ने मेट्रोपॉलिटन क्षेत्रों के विकास के लिए कहा कि भोपाल व इंदौर को मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र बना रहे हैं, तो क्यों न इन्हें आपस में जोड़ कर देश में विकास का एक बड़ा मॉडल पेश किया जाए। यह इकोनॉमिकल कॉरिडोर हो सकता है इसमें बहुत संभावना है, इसलिए इस दिशा में सोचें-समझें और स्थानीय जनप्रतिनिधियों से संवाद करें। दोनों के बीच रेल परिवहन पर भी ध्यान दिया जाए। उल्लेखनीय है कि भोपाल मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र में जिन आसपास के जिलों को शामिल किया जाना हैं उनमें सीहोर का भी नाम है। इसी तरह इंदौर मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र में जिन जिलों को शामिल किया जा रहा है, उनमें देवास का नाम है। दोनों भौगोलिक रूप से आपस में जुड़े हैं।

परशुराम जन्मोत्सव

भोपाल, दोपहर मेट्रो। आज गुफा मंदिर पर भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव समारोह में सम्मिलित होकर पूजा अर्चना की इस अवसर पर श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर महंत रामप्रवेश महाराज जी।

सुख समृद्धि के लिए 1008 बार गायत्री मंत्र पाठ एवं हवन

हिरदाराम नगर। अनंदराम टी. शाहानी कन्या उच्चतर विद्यालय और सिंधु माध्यमिक विद्यालय में मंगलवार को सामूहिक रूप से 1008 बार गायत्री मंत्र का पाठ और हवन का आयोजन किया गया। सभा के अध्यक्ष वासुदेव वाधवानी कहा कि विद्यालय में किए गए सामूहिक हवन से सुख, समृद्धि और कामयाबी के द्वार खुलेंगे। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे अपनी बुरी आदतों को हवन कुंड की अग्नि में जलाकर समाप्त करें और नए सत्र की शुरुआत नए उत्साह के साथ करें। विद्यालय की प्राचार्या ज्योति चौहान ने हवन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इससे जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है, जिससे सुख, समृद्धि और कामयाबी के रास्ते स्वतः ही खुल जाते हैं और मन को आत्मिक शांति मिलती है। उन्होंने यह भी कहा कि हवन करने से कुंडली में बुरे ग्रहों का प्रभाव कम होता है, जिससे जीवन में आ रही बाधाएं दूर होती हैं। वाधवानी, सचिव सुरेश राजपाल, कोषाध्यक्ष धरमप्रकाश मोटवानी, शिक्षा समिति सदस्य पुरुषोत्तम टिलवानी, प्रधानाचार्या श्रीमती प्रिया धर्मदासानी एवं समस्त शिक्षकगण उपस्थित थे।

परशुराम जन्मोत्सव : पंडित को भेंट किए मटके, तरबूज-खरबूज

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

बजरंग सेना समिति ने भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव पर सेवाभावी पहल की। समिति के सदस्यों ने शीतल जल के लिए मटके, तरबूज और खरबूज भेंट किए। ठण्डाई का वितरण भी किया।समिति के अर्चक पुरोहित, राजकुमार गर्ग ने कहा कि ग्रीष्म ऋतु में मटका दान करना महत्वपूर्ण माना जाता है, जिससे घर में सुख-समृद्धि आती है, मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है और लोगों को कष्टों से मुक्ति मिलती है। समिति के अध्यक्ष कमलेश देवानी ने तरबूज के दान के धार्मिक और स्वास्थ्य संबंधी लाभों पर जोर दिया। समिति के सलाहकार प्रभु मूलचंदानी ने वैशाख मास में खरबूजा दान के विशेष महत्व का उल्लेख किया। इस अवसर पर समिति के सचिव एडवोकेट बृजकिशोर सेन ने पंडित राजकुमार गर्ग से आशीर्वाद लिया।

अमेरिकन फिजियोलॉजी समिट में पेश

एम्स की स्टडी : एलोपैथी की सीमा खत्म, वहां योग-प्राकृतिक चिकित्सा ने किया असर

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

तनाव, भागदौड़ भरी जीवनशैली और असंतुलित खानपान के चलते महिलाओं में पॉलीसिस्टिक ओवेरियन सिंड्रोम (पीसीओएस) के मामले तेजी से बढ़ने के आंकडे तो आते रहते हैं लेकिन अब एम्स भोपाल की एक स्टडी ने यह साबित किया है कि योग और प्राकृतिक चिकित्सा के जरिए इस जटिल बीमारी पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है। यह स्टडी यूएस के बाल्टीमोर में 24 से 27 अप्रैल तक आयोजित अमेरिकन फिजियोलॉजी समिट-में एम्स के फिजियोलॉजी विभाग की डॉ. रागिनी श्रीवास्तव, डॉ. रुचि सिंह के साथ आयुष विभाग की डॉ. श्वेता मिश्रा व कम्युनिटी मेडिसिन की डॉ. प्रांजल श्रीवास्तव ने प्रस्तुत की है। स्टडी के अनुसार, पॉलीसिस्टिक ओवेरियन सिंड्रोम एक हार्मोनल विकार है। यह प्रजनन आयु वर्ग की 8 से 13 प्रतिशत महिलाओं को प्रभावित करता है। इसके लक्षणों में अनियमित माहवारी, अंडाशय में कई छोटी गांठों का बनना, त्वचा पर मुंहासे और वजन बढ़ना शामिल हैं। यह समस्या अक्सर तनाव, मोटापा और इंसुलिन रेसिस्टेंस से भी जुड़ी होती है।

इस स्टडी में एम्स आयुष योग ओपीडी में इलाज के लिए आई 25 वर्षीय युवती के केस का उदाहरण दिया गया। बताया जाता है कि उक्त युवती कई सालों से अनियमित मासिक धर्म की समस्या से पीड़ित थी। वह चार्टर्ड अकाउंटेंसी की पढ़ाई कर रही थी और पढ़ाई का अत्यधिक तनाव झेल रही थी। वजन बढ़ने के साथ-साथ उसे पेट दर्द, पीठ पर मुंहासे और थकान जैसी समस्याएं भी होने लगी थीं। आठ महीने तक एलोपैथिक इलाज के बाद भी कोई राहत नहीं मिलने पर उसने योग और नेचुरोपैथी का सहारा लिया। उसकी रिपोर्ट में पीसीओएस की पुष्टि हुई थी। स्टडी में दावा किया गया कि लगातार छह माह तक योग, प्राणायाम, खानपान में सुधार और जीवनशैली में बदलाव के चलते युवती की सेहत में सुधार हुआ। उसका वजन घटा, माहवारी नियमित हुई और अल्ट्रासोनोग्राफी में पाया गया कि अंडाशय में मौजूद गांठें पूरी तरह गायब हो चुकी थीं। बताया जाता है कि इस सम्मेलन में डॉ. रेखा जिवाने की स्टडी भीपेश की गई वह एम्स भोपाल के फिजियोलॉजी विभाग में हैं। डा रेखा जिवाने ने भी अमेरिकन फिजियोलॉजी समिट में अपना रिसर्च पेश किया और विषय शरीर क्रिया विज्ञान में परावर्तक लेखन के प्रति विद्यार्थियों की धारणाएं-शैक्षणिक और व्यवसायिक विकास की झलकियां था।

कॉलेज लव जिहाद कांड में राष्ट्रीय महिला आयोग ने बनाई तीन सदस्यीय समिति

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राष्ट्रीय महिला आयोग ने राजधानी स्थित एक निजी कॉलेज में छात्राओं को लव जिहाद और ब्लैकमेल के मामले में संज्ञान लेते हुए जांच के निर्देश दिए हैं। मामले में राष्ट्रीय महिला आयोग अध्यक्षा विजया रहाटकर ने गंभीरता को देखते हुए तीन सदस्यीय समिति का गठन किया है। यह समिति 3 मई से लेकर 5 मई, 2025 को भोपाल दौरा करेगी तथा मामले की जानकारी लेकर, एक विस्तृत रिपोर्ट आयोग को सौंपेगी। जांच समिति में जांच समिति की अध्यक्षा निर्मल कौर, सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी, पूर्व डीजीपी, झारखंड, सदस्य निर्मला नायक, अधिवक्ता, जबलपुर उच्च न्यायालय और सदस्य आशुतोष पांडेय, अवर सचिव, राष्ट्रीय महिला आयोग को शामिल किया गया है। यह जांच समिति घटना से जुड़ी कार्रवाई की जानकारी लेने के लिए संबंधित अधिकारियों, पीड़ित छात्राओं, उनके परिवारजनों और अन्य संबन्धित लोगों से मुलाकात करेगी। सभी पक्षों से बातचीत के आधार पर समिति अपनी रिपोर्ट में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए जरूरी सुझाव देगी। आयोग यह सुनिश्चित करेगा कि पीड़िताओं को न्याय मिले और दोषियों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जाए।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों को भावभीनी विदाई, पुलिस महानिदेशक ने स्मृति चिन्ह भेंट किए

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

पुलिस मुख्यालय की विभिन्न शाखाओं से माह अप्रैल में सेवानिवृत्त आठ कर्मचारियों को पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने मंगलवार को भावभीनी विदाई दी। डीजीपी ने सभी को प्लांट एवं स्मृति चिन्ह भेंट किए और उनके स्वस्थ एवं सुखी जीवन की कामना की। सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उनके विभिन्न स्वत्व (क्लेम) भुगतान के आदेश भी प्रदान किए गये। नवीन पुलिस मुख्यालय भवन कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित विदाई समारोह में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक अनिल कुमार, आशुतोष राय, पुलिस महानिरीक्षक अंशुमान सिंह सहित अन्य पुलिस अधिकारी, कर्मचारी एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों के परिजन उपस्थित थे। पुलिस मुख्यालय से सेवानिवृत्त मानसेवी उप पुलिस अधीक्षक विशेष शाखा दीनदयाल गुप्ता, कार्यवाहक

निरीक्षक (एम) ऋतुकान्त सिन्हा, सहायक अधीक्षक अअवि धनवंती रायकवार, सहायक अधीक्षक केन्द्रीय आवक-जावक मुन्नालाल कराड़े, उप निरीक्षक (तकनीकी) पुलिस आईटीआई लोकेश कुमार सिंह राठौर, उप निरीक्षक अअवि रामनाथ सिंह गौंड, उप निरीक्षक कावा. विशेष शाखा सुनील काला तथा कावा. प्रधान आरक्षक अजाक शाखा निर्मला शर्मा को पुलिस मुख्यालय परिवार ने मंगलवार को भावभीनी विदाई दी। सहायक पुलिस महानिरीक्षक डॉ.अंशुमान अग्रवाल ने सेवानिवृ]त कर्मचारियों के कार्यकाल पर प्रकाश डाला। विदाई समारोह में मौजूद अधिकारियों ने सेवानिवृत कर्मचारियों की मेहनत और लगन की सराहना की।

मेट्रो एंकर

आरोग्य केन्द्र के रोग निवारण शिविर में अनुभव सत्र

आहार को औषधि बनाऐ, औषधि को आहार नहीं: टेवानी

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

आरोग्य केंद्र में आयोजित दस दिवसीय रोग निवारण एवं प्रशिक्षण मासिक शिविर का अनुभव समारोह मंगलवार को आयोजित किया गया। केंद्र के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. गुलाब राय टेवानी ने इस अवसर पर शिविर की गतिविधियों और महत्व पर प्रकाश डाला।

टेवानी ने कहा, शिविर का आहार को औषधि बनाना है, न कि औषधि को आहार। स्थायी स्वास्थ्य लाभ के लिए प्राकृतिक चिकित्सा ही एकमात्र मार्ग है। इसे अपनाने से व्यक्ति जीवन भर निरोग रह सकता है। उन्होंने आहार ग्रहण करते समय स्वास्थ्यवर्धक विकल्पों को चुनने के महत्व पर भी प्रकाश डाला। डॉ. टेवानी ने कहा कि शिविर में साधकों की अनियमित दिनचर्या में सकारात्मक परिवर्तन लाया गया है, जिसे उन्होंने स्वयं महसूस किया है और इसी से उन्हें स्वस्थ होने का पूर्ण विश्वास मिला है।

शिविर में शरीर शुद्धि के साथ-साथ विचारों की शुद्धि पर भी ध्यान केंद्रित किया गया, सकारात्मक सोच को अपनाने पर बल दिया गया ताकि व्यक्ति सदैव स्वस्थ महसूस करे। उन्होंने शिविर से स्वस्थ हुए साधकों से अपने परिजनों को भी प्राकृतिक चिकित्सा अपनाने के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।

अनुभव सत्र में शिविरार्थियों ने अपने सकारात्मक अनुभवों को साझा किया। आभार प्रदर्शन डॉ. सुचेता कृपलानी ने किया। आगामी शिविर 02 मई से 06 मई 2025 तक आयोजित किया जाएगा।

दादा वासवानी के नाम पर किया जाए चौक, अस्पताल का नामकरण

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

साधु वासवानी मिशन, भोपाल के एक प्रतिनिधिमंडल ने विधायक एवं मध्य प्रदेश भाजपा महासचिव प्रभारी भगवानदास सबनानी से मुलाकात की। इस दौरान मिशन ने संत हिरदाराम नगर में देश के महान संत दादा जे.पी. वासवानी के नाम पर एक चौक बनाने और अधूरे पड़े सिविल अस्पताल का नामकरण साधु वासवानी सिविल अस्पताल करने की मांग रखी।

प्रतिनिधिमंडल ने विधायक सबनानी को बताया कि दादा जे.पी. वासवानी के नाम पर एक चौक बनने से जनता को उनके अध्यात्म और सेवा कार्यों से प्रेरणा मिलती रहेगी। उन्होंने संत नगर में निर्माणाधीन सिविल अस्पताल का नामकरण तुरंत साधु वासवानी सिविल अस्पताल करने का भी आग्रह किया। साधु वासवानी मिशन, भोपाल की मुख्य डॉ. राजकुमारी चोटरानी, दीपक संतानी, अजय, डॉ. ऋषभ चोटरानी सहित मिशन के अन्य सदस्य भी प्रतिनिधिमंडल में शामिल थे। उन्होंने विधायक सबनानी से इन मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई की मांग की है।

तबादलों की संख्या को लेकर असमंजस, 30 मई तक चलेंगे तबादले

अंततः नीति बनी, मप्र में कल से शुरू होगा तबादला सीजन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अंतत. मध्यप्रदेश में कल से मई से 30 दिन तक कर्मचारियों के तबादले का त्योहर शुरू हो जाएगा। इसके लिये विभाग काफी पहले से सूची भी बनाए बैठे हैं। मोहन यादव कैबिनेट ने तबादला नीति को मंजूरी दी है। इसमें स्वैच्छिक तबादले भी शामिल है। विभाग खुद भी पॉलिसी बना सकेंगे। इसके लिए जीएडी(सामान्य प्रशासन विभाग) से अनुमति लेना होगा। हालांकि कतिपय प्रावधानों को लेकर कुछ मंत्रियों में असमंजस भी है।

नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कैबिनेट फैसलों की जानकारी देते हुए कहा है कि 30 मई तक ई-ऑफिस में सारे ट्रांसफर लागू होंगे। इसके बाद तबादले नहीं हो सकेंगे। मंत्री और प्रभारी मंत्रियों को भी इसका अधिकार दिया गया है। उनसे कहा गया है कि वे 30 मई से पहले सभी तबादला आदेश जारी कर दें। तबादला नीति के निर्देश कैबिनेट बैठक के बाद मंगलवार को तबादला नीति के निर्देश जारी होने थे। लेकिन, मंत्रियों के सवाल-जवाब के चलते ऐसा नहीं हो पाया। बताया जा रहा है कि बैठक के दौरान तबादला नीति को मंजूरी तो दे दी गई, लेकिन मंत्रियों का कहना था कि उन्हें ट्रांसफर के और ज्यादा अधिकार मिलने चाहिए, क्योंकि पिछले दो साल से ट्रांसफर नहीं हुए। इसको लेकर बहुत ज्यादा दबाव है।

बताते हैं कि जब ट्रांसफर पॉलिसी-2025 का प्रेजेंटेशन शुरू हुआ तो एक मंत्री ने कहा कि इसके स्लैब बढ़ाए

जाएं, जिससे उन्हें और ट्रांसफर के अधिकार मिल सकें। इसके बाद सभी मंत्रियों ने एक स्वर से इसका समर्थन किया। मंत्रियों का कहना था कि ट्रांसफर को लेकर हर दिन दस से अधिक आवेदनों पर पत्र लिखना पड़ता है। सीएम समन्वय में भी सैकड़ों आवेदन और सहमति पत्र लंबित हैं। कार्यकर्ताओं का भी भारी दबाव होता हैं। इसके चलते इसमें बदलाव किया जाए। सीएम ने इस पर विचार करने की बात कही है। इसी वजह से यह पॉलिसी कैबिनेट की मंजूरी के बाद भी काफी समय तक बाहर नहीं आ पाई। मंत्री ने कहा कि सरकार ने तबादलों की प्रतिशत सीमा में स्वैच्छिक तबादलों को इसलिए जोड़ा है ताकि कुल पदों के हिसाब से तबादले का प्रतिशत बना रहे। अगर स्वैच्छिक तबादलों को अलग रखा जाएगा तो कुल पदों की संख्या के प्रतिशत से यह अधिक हो जाएगा। इसलिए कैबिनेट ने तय किया है कि स्वैच्छिक तबादलों को भी पदों के आधार पर तय तबादला संख्या और प्रतिशत में जोड़ा जाएगा।

अन्य फैसले

कैबिनेट ने तय किया है कि सरकार का ग्रीन एनर्जी पर फोकस है। इसलिए एमपी और यूपी सरकार की बिजली डिमांड को ध्यान रखते हुए प्लान तैयार किया है। एमपी में बरसात में बिजली की डिमांड कम हो जाती है जबकि यूपी में बरसात के दौरान डिमांड बढ़ जाती है। कैबिनेट ने तय किया है कि तीन हजार मेगावाट का सोलर प्लांट लगाया जाएगा। एक हजार मेगावाट कंपोजिट प्लान में रहेगी जबकि 2 हजार मेगावाट यूपी को दी जा सकेगी। यह प्लांट चंबल में लगाया जाएगा। धार में पीएम मित्र पार्क की स्वीकृति के लिए प्रधानमंत्री मोदी का आभार माना गया। इसे केंद्र सरकार की ओर से 2 हजार 62 करोड़ रुपए की राशि की स्वीकृति दी गई है। राज्य सरकार को धार में 10 हजार करोड़ रुपए के निवेश के प्रस्ताव मिले हैं।

मप्र राज्य सामान्य वर्ग कल्याण आयोग की हुई बैठक

निःशुल्क कोचिंग और न्यूनतम आय सीमा बढ़ाने के भेजेंगे प्रस्ताव : मंत्री कुशवाह

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

सामान्य निर्धन वर्ग के प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए निःशुल्क कोचिंग तथा अन्य शासकीय योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिये आय की न्यूनतम सीमा को बढ़ाये जाने का प्रस्ताव राज्य शासन को भेजा जायेगा। यह निर्णय सामाजिक न्याय, दिव्यांगजन कल्याण मंत्री तथा मप्र राज्य सामान्य वर्ग कल्याण आयोग के अध्यक्ष नारायण सिंह कुशवाह की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में लिया गया। मंत्री कुशवाह ने कहा कि सामान्य वर्ग के गरीब हितग्राहियों को राज्य शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राथमिकता के साथ उपलब्ध कराने के लिये आयोग गठित किया गया है। बैठक में सामाजिक न्याय, पशुपालन, स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा और संस्थागत वित्त विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। मंत्री कुशवाह ने कहा कि आयोग के माध्यम से 11 विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि स्कूल शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार, चिकित्सा शिक्षा एवं उच्च शिक्षा विभाग द्वारा विभिन्न छात्रवृत्ति एवं प्रोत्साहन योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इन योजनाओं से दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि को भी बढ़ाये जाने की आवश्यकता है। उन्होंने उच्च शिक्षा ऋण गारंटी योजना के तहत भी निर्धारित 100 विद्यार्थियों की अधिकतम सीमा को बढ़ाये जाने की आवश्यकता जताई। मंत्री कुशवाह ने कहा कि आयोग द्वारा इन सभी योजनाओं में वृद्धि के प्रस्ताव शासन को भेजे जायेंगे।

1559 पशुपालकों को 5 करोड़ 20 लाख से अधिक अनुदान?

मंत्री कुशवाह ने पशुपालकों के लिये पशुपालन विभाग द्वारा संचालित आचार्य विद्यासागर गौ-संवर्धन योजना को प्रोत्साहित करने के निर्देश भी दिये। योजना में वर्ष 2024-25 में 1559 पशुपालकों को 5 करोड़ 20 लाख से अधिक की अनुदान राशि उपलब्ध करायी गयी है। उन्होंने योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश पशुपालन विभाग के अधिकारियों को दिये।

विकास और जनकल्याण को समर्पित मध्यप्रदेश

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री — डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

अक्षय तृतीया एवं परशुराम जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना कार्यक्रम

मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना में
85 लाख से अधिक किसानों को ₹ 1704.94 करोड़

27 हजार से अधिक संबल हितग्राहियों को
₹ 600 करोड़ का अंतरण

₹ 1870 करोड़ की धार माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना एवं
विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण

मुख्य अतिथि
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

गरिमामयी उपस्थिति
श्रीमती सावित्री ठाकुर
राज्यमंत्री, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार

30 अप्रैल, 2025 | अपराह्न 3:00 बजे | उमरबन, जिला धार

D11018/25

मध्यप्रदेश जनसंपर्क द्वारा जारी

सीधा प्रसारण webcast.gov.in/mp/cmevents @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhypradesh @jansamparkMP JansamparkMP

आकल्पन : मध्यप्रदेश माध्यम/2025

संपादकीय

अनिश्चितता की जिम्मेदार टैरिफ नीति

हाल में सोने की कीमतें एक लाख तक चढने और बीते एक दो दिन में यही कीमतें तीन चार हजार तक कम होने की खबरें वैश्विक अनिश्चितता की तरफ इशारा कर रही हैं। इस वर्ष सोना बेहतरीन प्रदर्शन करने वाली संपत्ति रहा और जनवरी से बीते दिन तक अमेरिकी डॉलर के हिसाब से इसकी कीमत 28 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच चुकी है। बीते महीने कीमतों में काफी उतार-चढ़ाव नजर आया। आंशिक तौर पर इसके लिए अमेरिकी टैरिफ नीति का अनिश्चित रुख जिम्मेदार रहा। 'लिबरेशन डे' के बाद तेजी पकड़ने के बाद सोने की कीमतों में कुछ गिरावट आई क्योंकि राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने टैरिफ के मुद्दे पर अपना रुख कुछ नरम किया। परंतु निरंतर वृहद आर्थिक अनिश्चितता तथा वैश्विक मुद्रास्फीति के ऊंचे स्तर पर रहने की संभावनाओं के बीच इसकी कीमतों में दोबारा तेजी आ गई। मुद्रास्फीति और व्यापक तौर पर वृहद अनिश्चितता को लेकर बचाव के पारंपरिक उपाय के रूप में केंद्रीय बैंक से लेकर आम परिवार तक सोने का इस्तेमाल करते हैं। यकीनन अधिकांश केंद्रीय बैंकों ने सोने का भंडार बढ़ा लिया है। हालांकि प्रक्रिया की शुरुआत टैरिफ से जुड़ी अनिश्चितता से बहुत पहले हो गई थी परंतु अमेरिकी सरकार के कदमों से उत्पन्न अनिश्चितता ने इसका आकर्षण बढ़ा दिया। सोने की मांग और उच्च मुद्रास्फीति का रिश्ता प्रमाणित है और निकट भविष्य में वह सही साबित हो सकता है। हाल के दिनों में अमेरिकी टैरिफ नीति की अस्थिरता के कारण कीमतें दिन में तीन-चार बार बदलीं। यह संभव है कि अमेरिकी टैरिफ में और इजाफा, अमेरिकी साझेदार देशों की ओर से जवाबी टैरिफ आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावित करे और ग्राहकों के लिए सोने की कीमतों में और अधिक इजाफा हो जाए। टैरिफ की जंग के परिणामस्वरूप कुछ जिंस कारोबारियों का अनुमान है कि डॉलर के हिसाब से सोने की कीमतों में 25 फीसदी का इजाफा हो सकता है। डॉलर के साथ इसका रिश्ता अन्य संभावित प्रभावों की ओर ले जा सकता है। एक तो यह है कि कमजोर डॉलर अक्सर सोने की कीमतों में इजाफे की वजह बनता है क्योंकि कीमतें डॉलर आधारित हैं। अगर अमेरिकी ट्रेजरी प्रतिफल में इजाफा जारी रहता है और डॉलर कमजोर होता है तो इसका भी असर दिख सकता है। उस स्थिति में उच्च मुद्रास्फीति का संकेत जाएगा और दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में धीमापन आएगा जिससे वैश्विक गतिविधियां धीमी हो सकती हैं। इससे सोने की मांग बढ़ सकती है। टैरिफ की जंग से इतर अन्य नीतिगत अनिश्चितता इस बात के इर्दगिर्द केंद्रित रहेगी कि अमेरिका अपने स्वर्ण भंडार का नए सिरे से आकलन कर सकता है। अमेरिका के पास करीब 8,150 टन सोना है जिसका मूल्यांकन वह करीब 42 डॉलर प्रति 31 ग्राम करता है। सोने की मौजूदा कीमत करीब 3,340 डॉलर प्रति 31 ग्राम है। यानी इसका नए सिरे से आकलन सोने को लेकर धारणा में काफी बदलाव कर सकता है। अगर अमेरिका अपने हिस्से का स्वर्ण भंडार बेच देता है तो इससे कीमतों और धारणा पर काफी असर होगा। भारत सरकार के पास करीब 876 टन और परिवारों के पास करीब 25,000 टन सोना है। स्टॉक और बॉन्ड के उलट एक धातु के रूप में सोना कुछ नहीं देता। परंतु यह आभूषण उद्योग की बुनियाद है। इस उद्योग को इन अस्थिर हालात में अपनी इन्वेंट्री का सावधानी से इस्तेमाल करना होगा क्योंकि खुदरा कीमतें जहां रोजमर्रा की कीमत से जुड़ी रहती हैं वहीं इन्वेंट्री महीनों पहले तैयार की जाती है। इससे मुनाफा प्रभावित होगा। इसके अलावा गोल्ड लोन भी नकदी जुटाने का लोकप्रिय माध्यम है। बहरहाल केंद्रीय बैंक को सोने को लेकर अपने जोखिम का भी प्रबंधन करना होगा

> हैवान जब इन्सान बनने लगे तो सबसे पहला माफी का हकदार भी वही है।
> - अज्ञात

आज का इतिहास

- 2017- नेपाल के उच्चतम न्यायालय की पहली महिला मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की पर महाभियोग का प्रस्ताव।
- 2010 - सदाबहार अभिनेता देवानंद को दादा साहेब फाल्के तथा प्राण को फाल्के आइकॉन सम्मान।
- 2008 - चालक रहित विमान लक्ष्य का उड़ीसा के बालासोर ज़िले के चाँदीपुर समुद्र तट से सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया।
- 2007 - नेत्रहीन पायलट माइल्स हिल्टन ने विमान से आधी दुनिया का चक्कर लगाकर रिकार्ड बनाया।
- 2006 - 2011 क्रिकेट विश्वकप की मेजबानी भारतीय उपमहाद्वीप को मिली।
- 2005 - नरेश के असाधारण अधिकार बरकरार रखते हुए नेपाल में इमरजेंसी खत्म।
- 2004 - फजुला (इराक) में हिंसा में 10 अमेरिकी सैनिक मारे गये।
- 2002 - पाकिस्तान में राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ़ के अगले 5 वर्षों के कार्यकाल में वृद्धि हेतु जनमत संग्रह।
- 2001 - फिलीपींस में एरुत्रादा समर्थकों द्वारा तख्तापलट का प्रयास।
- 2000 - आतंकवाद से निपटने के लिए सहयोग के आह्वान के साथ जी -77 शिखर सम्मेलन हवाना में सम्पन्न।
- 1999 - लेविंस्की-क्लिंटन मामले को दुनिया के सामने लाने वाले पत्रकार माइकल इशिकॉफ़ को अंग्रेज़ी साप्ताहिक पत्रिका न्यूज वीक का नेशनल मैंगनीज अवार्ड, तथा हिन्द महासागर के द्वीप कोमोरोस में सेना द्वारा सत्ता पर कब्ज़ा।
- 1993 - जर्मनी के हैम्बर्ग शहर में एक मैच के दौरान उस समय की दुनिया की नंबर एक टेनिस खिलाड़ी मोनिका सेलेज़ को छुरा मारकर घायल कर दिया गया।
- 1991 - बांग्लादेश में चक्रवात में सवा लाख से अधिक लोगों की मौत और 90 लाख लोग बेघर।
- 1985 - अमेरिकी पर्वतारोही रिचर्ड डिक बास (55वर्ष) माउंट एवरेस्ट पर सर्वाधिक उम्र में चढ़ने वाले व्यक्ति बने।

निशाना

सेंकते हम रोटी !

-कृष्णेन्द्र राय

छोटी छोटी घटना पर ।
सेंकते हम रोटी ।।
करनी राजनीति है ।
बात नहीं ये छोटी ।।
कोशिश लगातार है ।
टूट न जाए क्रम ।।
रहना हमको ज़िंदा ।
ना इसमें हो भ्रम ।।
होंगे लाख जलील पर ।
ना लाना बदलाव ।।
जनता ने ठुकरा कर ।
दिया बराबर घाव ।।
मुद्दों की हम खोज में ।
है लाना हर हाल ।।
भले लाख हम पर ।
उठते हों सवाल ।।

समग्र नीति अपनाने से ही समस्या का समाधान

■ सुरेश सेठ

देश में बढ़ रहे प्रदूषण में फसलों के अवशेष जलाने की भूमिका एक सीमा तक ही है, जबकि तमाम अन्य कारण हमारी जीवनशैली की विसंगतियों से पैदा होते हैं। शासन-प्रशासन बड़े-बड़े दावे करके अपनी पीठ तो थपथपाता है, लेकिन योजनाएं जमीनी हकीकत से कोसों दूर हैं।

मौसम के बदलाव के साथ देश की राजधानी में वायु प्रदूषण की स्थिति गंभीर हो जाती है, जिससे घुटन और संत्रास का माहौल बन जाता है। इसका एक कारण खेतों में गेहूं की कटाई के बाद बची पराली को जलाना है। इस प्रक्रिया में निकलने वाला धुआं और घुटन स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है।पंजाब और हरियाणा के विशेषज्ञों का कहना है कि फसलों के अवशेष जलाना केवल प्रदूषण का एकमात्र कारण नहीं है, बल्कि बढ़ती हुई अराजक यांत्रिकता ने भी महानगरों का जीवन विषाक्त और घुटन भरा बना दिया है। इस यांत्रिकता से निपटने के लिए विस्तृत रणनीतियों की आवश्यकता है। असल में, पंजाब और हरियाणा के सीमांत किसान के पास फसल चक्र के चलते कृषि अवशेषों को नष्ट करने का समय नहीं होता। वे न तो निस्तारण के लिए मशीनें खरीदने के लिए तैयार होते हैं, न ही मशीनों को किराए पर लेने की उत्सुकता दिखाते हैं। किसान के लिए सबसे आसान तरीका यह होता है कि फसल के अवशेष जलाकर समय बचाया जाए। इन दिनों पंजाब-हरियाणा के ग्रामीण क्षेत्रों में अ?वशेष जलाने के दृश्य आम हैं। किसान इसे सुविधाजनक पाता है और अतिरिक्त खर्च से बचता है। अब सवाल यह है कि इस समस्या का स्थायी समाधान क्या होगा।

बैसाखी के बाद, जब गेहूं की फसल काटी जाती है, तो खेतों में बची नाड़ को निपटाने की समस्या उत्पन्न हो जाती है। इस बार पंजाब सरकार ने फसलों के अवशेष जलाने पर पूरी तरह से अंकुश लगाने का संकल्प लिया है। इस उद्देश्य के लिए 500 करोड़ रुपये की कार्ययोजना तैयार की गई है, और पिछले साल से अधिक प्रभावी नाड़ जलाने पर नियंत्रण के अभियान चलाए जाएंगे। अब किसानों को फसल अवशेष प्रबंधन मशीनें अधिक सब्सिडी पर उपलब्ध करवाई जाएंगी और फसल अवशेष प्रबंधन के उचित उपाय किए जाएंगे। इसके तहत सीमांत किसानों के लिए नाड़ प्रबंधन मशीनों को किराए पर उपलब्ध कराया जाएगा। जो किसान इन मशीनों को खरीदना चाहें, उन्हें भारी सब्सिडी दी जाएगी। व्यक्तिगत रूप से किसानों को इन मशीनों की खरीद पर 50 प्रतिशत सब्सिडी मिलेगी, जबकि सहकारी समितियों और ग्राम पंचायतों को 80 प्रतिशत सब्सिडी दी जाएगी।

यह पहल पंजाब सरकार द्वारा प्रदूषण नियंत्रण और कृषि क्षेत्र में सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, जिससे किसान भी अपनी समस्याओं का समाधान कर सकेंगे और पर्यावरण पर होने वाले प्रतिकूल प्रभाव को कम किया जा सकेगा।

पंजाब के कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि पिछले साल फसल अवशेष प्रबंधन अभियान काफी सफल रहा, जिसमें 70 प्रतिशत सफलता हासिल की गई। हालांकि, यह सफलता पिछले वर्षों की तुलना में काफी बेहतर थी, लेकिन अवशेष जलाने को गंभीर अपराध न मानने के कारण इसे पूरी तरह से रोकने में सफलता नहीं मिली। कृषि विभाग का कहना है कि खेतों में अवशेष जलाने के मामलों में कड़ी कार्रवाई की जरूरत है, और हर मामले में दोषियों को दंड मिलना चाहिए, ताकि यह समस्या स्थायी रूप से सुलझ सके।

पिछले साल सरकार ने 17,600 मशीनों की उपलब्धता और 1331 कस्टम हायरिंग सेंटर्स की स्थापना की थी, जिससे किसानों को फसलों के अवशेष निपटाने के लिए आसानी से उपकरण मिल सकें। लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या यह उपलब्धि पर्याप्त है? पंजाब और हरियाणा जैसे कृषि प्रधान राज्यों में मशीनों की सुलभता और कम किराए पर उपलब्धता अत्यंत आवश्यक है, ताकि फसलों के अवशेष जलाने की समस्या को सुलझाया जा सके।

इन दिनों वायु प्रदूषण बहुत हद तक पुराने वाहनों, कोयले के गलत उपयोग और यांत्रिकता के कारण उत्पन्न हो रहा है। ऐसे में यह जरूरी है कि इस स्थिति को एक व्यापक दृष्टिकोण से समझा जाए। किसानों को जागरूक करने की जरूरत है कि वे नाड़ को खेतों में दबाकर अपनी उत्पादकता को बढ़ा सकते हैं।

लेकिन वायु प्रदूषण और पर्यावरणीय संकट का समाधान केवल फसलों के अवशेष जलाने तक सीमित नहीं है। इसके लिए एक व्यापक और सशक्त तंत्र की आवश्यकता है। जो एक तरफ खेतों में फसलों के अवशेष जलाने से होने वाले प्रदूषण को नियंत्रित करे, वहीं दूसरी तरफ शहरी क्षेत्रों में बढ़ते यांत्रिक प्रदूषण और धुएं की कालिमा को भी नष्ट करे।

कभी-कभी समस्या को आंशिक रूप से हल करने से उसका असर आधा-अधूरा होता है। इसलिए, जब फसलों के अवशेष जलते हैं तो सारा दोष किसान को ही दिया जाता है और शहरी प्रदूषण की उपेक्षा कर दी जाती है। इस बार यदि हम संतुलित नीति के साथ इस प्रदूषण और घुटन का मुकाबला करने में सफल होते हैं, तो हम इस प्रदूषण नियंत्रण अभियान को सार्थक मान सकते हैं।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

30 अप्रैल - अक्षय तृतीया पर विशेष

बाल विवाह - किरणों का दुपहरी में अस्त हो जाना

■ प्रलय श्रीवास्तव

बाल-विवाह यानि छोटी उम्र में बच्चों की शादी। बड़ों की रजामंदी और संरक्षण में होने वाला ऐसा अपराध जो समारोहपूर्वक होता है। जिसमें भागीदार होते हैं माता-पिता, अभिभावक, रिश्तेदार, पड़ौसी, रस्मों को निभाने वाले कर्ता-धर्ता और वे सभी जो खुद ज्ञाता व विद्वान होने का दावा करते हैं। यह ऐसी कुरीति है जो समाज के माथे पर आज भी कलंक बनी हुई है। कच्ची उम्र में बच्चों को बड़ा होने का अहसास कराना आज भी बदस्तूर जारी है।

आखिर बाल-विवाह होते क्यों हैं, इस बात पर भी गौर किया जाना जरूरी है। चूँकि बच्चे शत-प्रतिशत सच्चे होते हैं, उनका मन भोला होता है। नये कपड़े, मिठाई, उपहार, बैण्ड-बाजा का लालच देकर उन्हें विवाह के मण्डप में बैठा दिया जाता है। अनेक ऐसे क्षेत्र या स्थान भी हैं जहाँ परम्परा, रीति-रिवाजों के नाम पर बच्चों को कम उम्र में ही ब्याह दिया जाता है। फिर क्या, इस प्रक्रिया का सीधा-साधा असर बच्चों और महिलाओं के स्वास्थ्य पर पड़ता है। तेजी से बढ़ता लिंगानुपात, बच्चों में कुपोषण, महिलाओं में खून की कमी, मातृ-शिशु मृत्यु दर आदि ऐसे कारण हैं, जिनका सीधा संबंध बाल विवाहों से है। बच्चों को उम्र से पहले ही उन बंधनों और जिम्मेदारियों मे लाद दिया जाता है, जिसके लिए वे शारीरिक और मानसिक रूप से तैयार ही नहीं होते। बाल-विवाह बच्चों को उनके बचपन से भी वंचित कर देता है। समाज ने 18 साल से कम आयु की बालिका की शादी नहीं करने की कानूनी जानकारी तो प्राप्त कर ली, लेकिन उसने यह भी सीख लिया कि होने वाले बाल-विवाह को सरकार की नजर से कैसे छुपाया जाए। ऐसे में अहम जिम्मेदारी उनकी होती है, जिनकी जानकारी में बाल- विवाह होना अथवा उसके होने की संभावना होती है।

इतिहास

वैदिक काल तक विवाह से पूर्व वर व वधु के शारीरिक स्वास्थ पर विशेष ध्यान दिया जाता था। इस काल में विवाह पूर्ण प्रौढ़ावस्था में होता था। स्त्रियों को वैदिक काल तक ही पुरुषों की तरह के सारे अधिकार थे। वैदिक काल के बाद विवाह प्रथा अल्प वय बिवाह में बदलती चली गई। स्मृति चन्द्रिका, संस्कार कांड कहता है कि यदि योग्यपति प्राप्त नहीं होता है तो कन्या का विवाह तरुण आयु प्राप्त होने से पहले ही अयोग्य वर से कर देना चाहिये। प्राचीन भारत में स्त्रियों की दशा

नामक पुस्तक में अल्तेका लिखते हैं कि कन्याओं को हमलावरों से बचाने के लिये भी विवाह एक प्रतिरक्षात्मक उपाय था। वर्ण और जाति के कारण भी बाल-विवाह को प्रोत्साहन मिला। कम उम्र में कन्याओं का विवाह कर लोग उसके भविष्य की चिंता से बचने की कोशिश करते थे।

भुगतते हैं माँ, बच्चे

कम उम्र में शादी होने से न सिर्फ सुरक्षा के अधिकार का उल्लंघन होता है वरन्अच्छे स्वास्थ्य, पोषण व शिक्षा पाने के अधिकार का भी हनन होता है। इसके अलावा बाल-विवाह के कारण बालिकाएँ कम उम्र में असुरक्षित यौन चक्र में सम्मिलित हो जाती हैं। अपरिपक्व शरीर में बालिका द्वारा गर्भ धारण करने से भ्रूण पूर्ण रूप से विकसित्त नहीं हो पाता। गर्भपात, कम वजन के बच्चे का जन्म, बच्चों और माता में कुपोषण, खून की कमी, मातृ मृत्यु, प्रजनन मार्ग संक्रमण यौन संचरित बीमारियाँ/एचआईवी संक्रमण की संभावना में वृद्धि होना आदि भी बाल-विवाह के दुष्परिणाम हैं। अध्ययनों से सिद्ध हो चुका है कि 15 वर्ष की उम्र में माँ बनने से मातृ मृत्यु की संभावना 20 वर्ष की उम्र में माँ बनने से पाँच गुना अधिक होती है।

बाल-विवाह विरोधी कानून

बाल-विवाह को रोकने के लिए वर्ष 1929 में बाल-विवाह अंकुश अधिनियम बनाया गया। इसे शारदा एक्ट भी कहा जाता है। इस एक्ट में कई खामियाँ थीं। इन कमियों को दूर करने के लिये बाल-विवाह प्रतिषेध अधिनियम, (पीसीएमए) 2006 को 1 जनवरी 2007 से अधिसूचित किया गया। इसका उद्देश्य बाल-विवाह प्रथा की प्रभावी रोकथाम के लिये पहले कानून की विफलता को दूर करना व बाल-विवाह की रोकथाम के लिये एक समग्र व्यवस्था विकसित करना है। यह कानून 1 नवम्बर 2007 से लागू किया गया है। हालांकि स्वीकृत अंतर्राष्ट्रीय संधियों और राष्ट्रीय कानूनों में इस बात का उल्लेख किया गया है कि बच्चों को सुरक्षा प्रदान करना और उनके बुनियादी मानवाधिकारों की रक्षा करना सरकार की जिम्मेदारी है। कई अंतर्राष्ट्रीय संधियों पर भी हस्ताक्षर किये गये हैं, जिसमें उन्हें शोषण से बचाने व उन्हें सम्मानजनक अधिकार दिलाने हेतु प्रावधान है।

हमारी जिम्मेदारी

एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में बाल-विवाह की रोकथाम की जिम्मेदारी सभी लोगों की है। हर जिले के कलेक्टर को बाल-विवाह की रोकथाम के लिए जिम्मेदारी दी गई है। प्रशासन स्तर पर इस कोशिश में हर व्यक्ति को मददगार बननाचाहिए। यदि कहीं भी बाल विवाह होते दिखाई दे तो इसकी जानकारी प्रशासन तक पहुंचाकर बच्चों का भविष्य बर्बाद होने से रोकना हर नागरिक का कर्तव्य है।

बाल-विवाह रोकने के लिए समुदाय में निचले स्तर पर प्रेरक के रूप में कार्यरत आँगनवाड़ी कार्यकर्ता, एएनएम, आशा कार्यकर्ता एवं स्कूल के शिक्षक उपयोगी माध्यम हो सकते हैं।

मध्यप्रदेश में पंचायतों के पास अपार शक्तियाँ हैं। एक जागरूक पंचायत अपने गाँव में कोई भी बाल-विवाह नहीं होने देने के लिए ग्राम सभा के माध्यम से प्रस्ताव पारित कर सकती है। गाँव का मुखिया या सरपंच इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

मीडिया बाल-विवाह की रोकथाम में कारगर भूमिका निभा सकता है। एक ओर वह लोगों में बाल विवाह के खिलाफ इसके दुष्परिणामों को लेकर संदेश पहुँचा सकता है, वहीं दूसरी ओर लोगों को शिक्षित और जागरूक भी कर सकता है।

बालक - वालिका स्वयं भी बाल विवाह के खिलाफ आवाज बुलंद कर सकते हैं।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

भगवान परशुराम द्वार का नपाध्यक्ष द्वारा लोकार्पण

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

- तिरंगा बायपास रोड अब होगा भगवान परशुराम मार्ग- नपाध्यक्ष

ब्राह्मण समाज द्वारा आयोजित भगवान परशुराम जन्मोत्सव के चार दिवसीय आयोजन के तीसरे दिन सुबह नौलखी धर्मशाला में नौलखी खालसा के श्रीमहंत राम मनोहर दास जी महाराज द्वारा भगवान परशुराम का विधि विधान से पूजन अर्चन किया गया। तदोपरांत शाम 4 बजे स्थानीय तिरंगा चौक से दो पहिया व चार पहिया वाहनों की विशाल रैली निकाली गई जो तिरंगा चौक से प्रारंभ होकर सिरोंज चौराहा, सावरकर चौक, जय स्तंभ चौक, त्योंदा रोड, मील रोड, स्टेशन रोड होते हुए भावसार पुलिया भगवान परशुराम द्वार पर विशाल वाहन रैली का विश्राम हुआ। जहां नपा अध्यक्ष शशि यादव व ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष संतोष शर्मा ने विधि विधान से पूजन अर्चन कर नारियल फोड़ कर भगवान के चित्र पर माल्यार्पण कर भगवान परशुराम द्वार का लोकार्पण किया। इस अवसर पर नपा अध्यक्ष श्रीमती यादव ने कहा कि यह मार्ग तिरंगा बायपास की जगह अब भगवान श्री परशुराम मार्ग के नाम से जाना जायेगा।

नपाध्यक्ष ने कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि भगवान परशुराम के भव्य द्वार का लोकार्पण मेरे द्वारा हो रहा है। भगवान परशुराम द्वार के लोकार्पण के शुभ अवसर पर सांसद प्रतिनिधि देवेंद्र यादव, वरिष्ट भाजपा नेता मनोज यादव, पूर्व पार्षद योगेंद्र पप्पू समैया, भाजपा नेत्री सरिता रघुवंशी उपस्थित रहीं। इस अवसर पर ब्राह्मण समाज द्वारा भव्य द्वार के निर्माण के लिए नपा अध्यक्ष का आभार धन्यवाद दिया।

प्रदेश के 7वें वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व की अजब कहानी

तमगा टाइगर रिजर्व का लेकिन सेंचुरी से ज्यादा कुछ भी नहीं !

- 25 माह में न फील्ड डायरेक्टर न वेटनरी डॉक्टर की पोस्टिंग
- 93 में से मात्र 44 गांव ही हुए विस्थापित
- 19 बाघों का बसेरा टूरिस्ट आना चाहते हैं पर टूरिज्म जैसा माहौल नहीं

फेक्ट फाइल
बाघ संख्या - 19 से 23
कोर एरिया - 1414 वर्ग किमी
बफर क्षेत्र- 925.120 वर्ग किमी
कोर एरिया-1 नौरादेही-1390.036 वर्ग किमी
कोर एरिया-2 दुर्गावती - 23.97 वर्ग किमी

तेन्दूखेड़ा/दमोह! , दोपहर मेट्रो विशाल रजक।

जून 2023 में अस्तित्व में आए बुंदेलखंड के वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व को 25 महीने बीत चुके हैं लेकिन यह अभी टाइगर रिजर्व के स्वरूप में नहीं ढल पाया है कागज पर भले ही यह रिजर्व बन गया, लेकिन है सेंचुरी की तरह अभी तक यहां फील्ड डायरेक्टर और वेटनरी डॉक्टर की नियुक्ति भी नहीं हुई। रेस्क्यू टीम और अधीनस्थ अमला भी अभयारण्य जैसा ही है टाइगर रिजर्व के 93 गांवों में से 44 का ही विस्थापन हो पाया है इसमें शामिल तीन जिलों के अलग-अलग एरिया का कागजों में हस्तांतरण भी अभी बाकी है यहां वर्तमान में 20 से23 बाघ है बाघों का कुनबा तेजी से बढ़ रहा है टूरिस्ट आना चाहते हैं, लेकिन उन्हें टूरिज्म जैसा माहौल नहीं मिल पा रहा है नौरादेही डीएफओ के हाथ में ही पूरे टाइगर रिजर्व की कमान है अधिकारी दावा कर रहे हैं कि जल्द सबकुछ मिलेगा डिमांड भेजी गई है क्षेत्रफल में प्रदेश के सबसे बड़े अभयारण्य नौरादेही और सबसे छोटे वीरांगना दुर्गावती अभयारण्य को मिलाकर प्रदेश का सातवां और बुंदेलखंड का दूसरा टाइगर रिजर्व बनाया गया था। इसे जून 2023 में नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी से मंजूरी मिली थी। चुनावी लाभके नजरिए से प्रदेश सरकार ने विधानसभा चुनाव की आचार संहिता लगने के पहले इसकी अधिसूचना जारी करते हुए नए टाइगर रिजर्व की सीमाएं तय की थीं।

इसका नाम वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व रखा गया। तीन जिले दमोह सागर और नरसिंहपुर का कोर एरिया इसमें शामिल किया गया है नौरादेही अभयारण्य के लिए 2012-13 से विस्थापन की प्रक्रिया शुरू हुई थी नौरादेही अभयारण्य की सीमा में आने वाले बरपानी, तरा, भड़रा, करनपुर, मढ़िया, बधा, बिजनी, कुसमी (लगरा), तिंदनी, खापा, महका, सिंगपुरी (जामुनझिरी), जामुनहटरी, महगवां, खापा, आमापानी, केसली, आंखीखेड़ा, केरपानी, सर्रा, पुटदेही, खमरापठार, जोगीपुरा, झमरा, उकरपार, दुधिया तथा हांडीकाट शामिल हैं मुहली गांव का विस्थापन चल रहा है

नौरादेही में वर्ष 2018 में बाघ शिफ्टिंग प्रोजेक्ट पर काम शुरू हुआ था। पहले बाधिन एन-1 राधा को और कुछ दिन बाद बाघ एन-2 किशन को लाया गया था। सिर्फ 5 साल में 15 बाघों का कुनबा हो गया कुछ बाहर से बाघ आकर यहां रम गए टेरेटरी को लेकर बाघों के बीच संघर्ष एक बड़ा खतरा है एक साल पहले नौरादेही के पहले बाघ किशन एन-2 की एक बाहरी बाघ से संघर्ष में मौत हो गई थी यहां तेंदुआ, चिंकारा, हिरण, नीलगाय, सियार, भेड़िया, लकड़बग्घा, भालू व अन्य वन्य जीव भी हैं.

टाइगर रिजर्व के डीएफओ एए अंसारी से सीधी बात

1-टाइगर रिजर्व कागजों में बनकर रह गया है?
ऐसा नहीं है हर तरफ अमल हो रहा है ऐसे प्रोजेक्ट में समय लगता है
2-फील्ड डायरेक्टर व रेस्क्यू टीम में वेटनरी डॉक्टर ही नहीं?
वेटनरी डॉक्टर की डिमांड भेजी है शासन स्तर से फील्ड डायरेक्टर की पोस्टिंग होगी
3-टाइगर रिजर्व में शामिल जमीन का ट्रांसफर भी अटका है?
बफर जोन की जमीन का हस्तांतरण हो चुका है। शेष प्रक्रिया में है
4 टाइगर रिजर्व में टूरिज्म जैसा माहौल क्यों नहीं बन पा रहा?
छिरारी में टूरिज्म के लिए 4 हैक्टेयर जमीन मिली है। सफारी के लिए योजना बनाई है
5-कितने गांवों का विस्थापन शेष है?
गांवों के विस्थापन के लिए लगातार बजट आ रहा है। 93 में से 44 गांव विस्थापित कर दिए हैं। शेष भी करेंगे

ऐसे समझे टाइगर रिजर्व क्यों स्वरूप में नहीं आ पाया

1-फील्ड डायरेक्टर, जो कि बफर व कोर एरिया के हिसाब से अलग-अलग होते हैं इनकी पोस्टिंग नहीं हुई।
2-बाघ, तेंदुए और अन्य वन्य जीवों के रेस्क्यु के लिए टीम हैं पर ट्रैक्युलाइज स्पेशलिस्ट व वेटनरी डॉक्टर नहीं
3-टाइगर रिजर्व में शामिल तीन जिलों की जमीन का हस्तांतरण अटका है सिर्फ बफर जोन की जमीन ट्रांसफर हुई है
4- पर्यटकों के लिए आसपास स्टे होम्स नहीं टाइगर के मूवमेंट पर सफारी वाले रूट को ही बंद कर दिया जाता है
5-रिजर्व से गांवों का विस्थापन अटका है इनमें दमोह जिले के गांव ज्यादा हैं सागर के 7, नरसिंहपुर के 3 गांव बचे हैं

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी समस्याएं, 107 आवेदनों का मौके पर किया समाधान

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

कलेक्टर सोनिया मीना द्वारा कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याएं सुनी गईं एवं उनके निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। जनसुनवाई के दौरान बड़ी संख्या में लोग अपने आवेदन, शिकायतें और सुझाव लेकर पहुंचे। कलेक्टर द्वारा प्रत्येक नागरिक से व्यक्तिगत रूप से संवाद कर उनकी समस्याओं की गंभीरतापूर्वक समीक्षा कर उनका समाधान किया गया। कलेक्टर ने जनसुनवाई के दौरान प्राप्त होने वाली अनुविभागीय स्तर की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए।

जनसुनवाई में मुख्य रूप से भूमि विवाद, अतिक्रमण, अनुकंपा, राशन कार्ड एवं अन्य शासकीय योजनाओं से संबंधित शिकायतो की सुनवाई हुई। कलेक्टर ने सभी प्रकरणों पर त्वरित कार्यवाही के निर्देश देते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि वे निर्धारित समयसीमा के भीतर समाधान सुनिश्चित करें।

कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान सदर बाजार नर्मदापुरम निवासी रागिनी मेवारी ने कलेक्टर के समक्ष आवेदन प्रस्तुत कर बताया कि उनके पति के निधन के उपरांत उनकी पुत्री को अनुकंपा नियुक्ति प्रदान की जाए। कलेक्टर ने प्रकरण की गंभीरतापूर्वक समीक्षा कर जिला कार्यालय के स्थापना शाखा के प्रभारी अधिकारी को निर्देशित किया कि बालिका के समस्त दस्तावेजों की जांच कर नियमानुसार अनुकंपा नियुक्ति की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इसी प्रकार नीलम जोशी ने भी जनसुनवाई में उपस्थित होकर अपने दिवंगत पिता के निधन के उपरांत अनुकंपा नियुक्ति प्रदान किए जाने का अनुरोध किया। कलेक्टर ने जिला कार्यालय के स्थापना शाखा प्रभारी अधिकारी को निर्देश दिए कि नियमानुसार आवश्यक जांच एवं कार्रवाई शीघ्र सुनिश्चित की जाए।

ग्राम बोरना ठाकुर, तहसील पिपरिया निवासी कमल सिंह ने अपनी भूमि के सीमांकन हेतु आवेदन प्रस्तुत किया। इस पर कलेक्टर ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से तहसीलदार पिपरिया वैभव बैरागी को निर्देशित किया कि आवेदनकर्ता की शिकायत को प्राथमिकता से लेते हुए सीमांकन की कार्यवाही शीघ्र करवाई जाए। नर्मदापुरम निवासी कु. इशिका बदकुले ने पीडीएस ई-केवाईसी न होने की समस्या से अवगत कराया। इस पर कलेक्टर ने जिला खाद्य अधिकारी को निर्देशित किया कि ई-केवाईसी की प्रक्रिया में आ रही समस्या का समाधान कर बालिका का ई-केवाईसी शीघ्र करवाया जाए। ग्राम नाहर कोला, तहसील सिवनी मालवा निवासी कु. रामप्यारी नागले द्वारा छात्रवृत्ति न मिलने की शिकायत पर कलेक्टर ने एसी ट्राइबल को निर्देशित किया कि छात्रा की छात्रवृत्ति शीघ्र उपलब्ध हो, इसके लिए आवश्यक कार्रवाई करें। इस पर संबंधित अधिकारी ने बताया कि राज्य शासन द्वारा मिलने वाली 40 प्रतिशत छात्रवृत्ति पहले ही प्रदान की जा चुकी है तथा शेष 60 प्रतिशत छात्रवृत्ति, जो केंद्र शासन द्वारा स्वीकृत की जाती है, वह भी शीघ्र ही प्रदान की जाएगी।

इसी क्रम में ग्राम पहनवर्री, तहसील इटारसी निवासी ओम प्रकाश कुशवाहा द्वारा इलेक्ट्रिक व्हीलचेयर (साइकिल) दिलाए जाने हेतु दिए गए आवेदन पर सुनवाई करते हुए कलेक्टर ने सीएमएचओ, नर्मदापुरम को निर्देशित किया कि आवेदनकर्ता का शीघ्र मेडिकल परीक्षण कर नियमानुसार प्रमाण पत्र जारी किया जाए, जिससे उन्हें पात्रता अनुसार इलेक्ट्रिक व्हीलचेयर (साइकिल) का लाभ मिल सके।

फिल्म टूरिज्म के लिए जिला प्रशासन मदद करेगा

नर्मदापुरम. जिले में लगातार महारानी जैसी ख्यात वेबसीरीज की शूट से जिले के फिल्म टूरिज्म को नया आयाम मिला है। हम चाहेंगे कि जिले में ज्यादा से ज्यादा फिल्म शूटिंग हो और स्थानीय कलाकारो को अच्छा मंच मिले और स्थानीय व्यवसाय को भी फायदा हो। फिल्म टूरिज्म संवर्धन के लिए जिला प्रशासन हर संभव मदद करेगा। ये बात स्थानीय सर्किट हाउस में महारानी वेबसीरीज की शूटिंग के पहले दिन ख्यात अभिनेता प्रमोद पाठक के सीन का मुहूर्त क्लैप के दौरान कलेक्टर ने कही। इस दौरान संयुक्त कलेक्टर संपदा सराफ ,नपा अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव भी उपस्थित थी। कलेक्टर सोनिया मीना ने सर्किट हाउस में फिल्म के निर्माता नरेन कुमार,कार्यकारी निर्माता शशि ठाकुर, डायरेक्टर पुनीत प्रकाश, फर्स्ट एडी सोन,डीओपी अनुराग सोलंकी, प्रोजेक्ट डिजाइनर पारुल विक्रम, आदि से मिलकर फिल्म निर्माण की तकनीकी जानकारी ली और स्थानीय कलाकारो से मिलकर उनका उत्साहवर्धन किया।

निर्माता नरेन कुमार ने जिला प्रशासन ने कहा कि किसी भी फिल्म मेकर के लिए प्रशासनिक सहयोग आवश्यक होता है।

भगवान परशुराम का जीवन धर्म रक्षा की देता है प्रेरणा

तेन्दूखेड़ा! भगवान परशुराम की शिक्षाएं आज भी खासकर युवाओं के लिए प्रेरणादायी बनी हुई हैं उनका अदम्य साहस हो या फिर मातृ भक्ति या फिर चुनौतियों का सामना करने की दृढ़ इच्छा शक्ति हो यही कारण है कि भगवान परशुराम के जन्मोत्सव को लेकर अधिकारियों से लेकर जनप्रतिनिधि व युवाओं में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है इस तरह भगवान परशुराम का जीवन युवाओं के लिए एक प्रेरणा है उनके जीवन से हम दृढ़ता, साहस, न्याय के प्रति निष्ठा, और माता-पिता के प्रति सम्मान जैसे मूल्य सीख सकते हैं हमें परशुराम के जीवन से प्रेरणा लेकर सत्य और धर्म के मार्ग पर चलने का प्रयास करना चाहिए भगवान परशुराम एक महान ऋषि और योद्धा थे, जिन्हें बहुत सम्मान दिया जाता है। उनके जीवन और शिक्षाओं से हमें कई महत्वपूर्ण आदर्श सिद्धांत मिलते हैं। तारादेही थाना प्रभारी पंडित राजीव पुरोहित कहते हैं कि भगवान परशुराम के जीवन में दृढ़ता, न्याय के प्रति निष्ठा और पिता के प्रति समर्पण जैसी खूबियां हैं जो युवाओं को प्रेरित कर सकती हैं तेजगढ़ वन परिक्षेत्र अधिकारी पंडित नीरज पाण्डे कहते हैं कि भगवान परशुराम ने अपने जीवन में कई चुनौतियों का सामना किया और कभी भी सत्य और धर्म के मार्ग से नहीं डिगे हैं उन्होंने अन्याय के खिलाफ संघर्ष किया और हमेशा सत्य का समर्थन किया।

नपा अध्यक्ष ने फीता काटकर किया प्याऊ का शुभारंभ

गंजबासौदा। भीषण गर्मी में मुख्य मार्गों पर आने जाने वाले राहगीरों के लिए नगर पालिका परिषद द्वारा रखवाई गई प्याऊ का नपा अध्यक्ष शशि अनिल यादव ने पूजन अर्चन एवं फीता काटकर शुभारंभ किया। इस मौके पर सांसद प्रतिनिधि देवेंद्र यादव, वरिष्ठ भाजपा नेता मनोज यादव, पार्षद राहुल ठाकुर, सरदार अहिरवार, संजय भावसार,जनप्रदाय शाखा के प्रभारी सुनील यादव के अलावा बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद थे। नपा अध्यक्ष श्रीमती शशि अनिल यादव ने बताया कि हर साल की तरह इस साल भी मुख्य मार्गों पर जगह-जगह प्याऊ रखवाई गई है। जिनमें तैनात कर्मचारियों द्वारा राहगीरों को मटके का ठंडा पानी पिलाया जाएगा। प्याऊ तक पानी पहुंचाने के लिए सुबह शाम टैंकरों की तैनाती भी कर दी गई है। ताकि इस चिलचिलाती गर्मी में नागरिकों को पीने के ठंडे पानी की व्यवस्था हो सके।

विधायक ने की सीवरेज परियोजना प्रगति की समीक्षा

नर्मदापुरम. विधायक डॉ. सीताशरण शर्मा ने नर्मदापुरम शहर में प्रगतिरत सीवरेज परियोजना की अद्यतन जानकारी प्राप्त की और परियोजना के शेष निर्माण कार्यों को लेकर अधिकारियों से विस्तारपूर्वक चर्चा की। इस अवसर पर मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी की नर्मदापुरम इकाई के परियोजना प्रबंधक राजेन्द्र खाडे एवं उप परियोजना प्रबंधक चंद्रशेखर कावलकर ने डॉ. शर्मा को परियोजना की वर्तमान स्थिति, अब तक पूर्ण हुए कार्यों और आगामी कार्ययोजना के बारे में अवगत कराया। उल्लेखनीय है कि नर्मदापुरम शहर में यह सीवरेज परियोजना नगरीय विकास एवं आवास विभाग के उपक्रम मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी द्वारा जर्मन बैंक केएफडब्लयू के सहयोग से संचालित की जा रही है। इस परियोजना की कुल लागत लगभग 159 करोड़ है और इसका उद्देश्य शहर के जल-मल प्रबंधन ढांचे को सुदृढ़ करना है। विधायक डॉ. शर्मा ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य समय-सीमा के भीतर पूर्ण हो तथा गुणवत्ता के मानकों का पूरा पालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि नागरिकों को शीघ्र ही इसका लाभ मिल सके।

जन समुदाय को लू से बचाव के लिए समझाइश

नर्मदापुरम. मौसम विभाग ने क अनुसार मई में तापमान औसत से अधिक होने की संभावना है। इसके कारण अधिकांश भागो में लू की स्थिति निर्मित हो सकती है। संभावित लू के प्रकोप को गंभीरता से लेते हुए इससे होने वाली क्षति को कम करने के लिए जिला स्तर पर जन समुदाय को लू के प्रकोप से बचाव के लिए आवश्यक सुझाव तथा समझाइश जारी किये गये है। इस संबंध में जन समुदाय को लू के प्रकोप से प्रभाव, लक्षण एवं प्राथमिक उपचार के लिए दिशा निर्देशानुसार सूर्य दाह ताप के कारण शारीरिक ऐठन लक्षण त्वचा पर लाल चकता, सूजन, फफोले, बुखार, सिरदर्द आदि पैरो, पेट की मांसपेसियों अथवा शरीर के बाहरी भागों में तकलीफदेह ऐंठन, अत्यधिक पसीना आना इसके लिए प्राथमिक उपचार प्रभावित को बार-बार नहलाए। यदि फफोले निकल आएं हो तो स्टरलाइज/ड्रेसिंग करें। चिकित्सक का परामर्श ले। प्रभावित को छायादार स्थल पर तत्काल ले जाए। ऐठन वाले शरीर के भाग को जोर से दबाए तथा धीरे- धीरे सहलाएं। प्रभावित को शीतल जल, छाछ अथवा पना पिलाएं। यदि उकबाई आ रही हो, तो शीतल पेय पिलाना बंद कर दें तथा तत्काल नजदीकी चिकित्सा केन्द्र पर ले जाएं।

शर्मा हुए सेवानिवृत, कलेक्टर कार्यालय ने दी भावभीनी विदाई

नर्मदापुरम. कलेक्टर कार्यालय के कर्मचारी सुनील शर्मा अपनी अर्धवार्षिक आयु पूर्ण कर आज सेवानिवृत हुए। इस अवसर पर कलेक्टर कार्यालय में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने शर्मा को सेवानिवृत्ति पर उनका फूल मालाओ से स्वागत करके भावभीनी विदाई दी। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने विदाई समारोह में सुनील शर्मा का शाल एवं श्रीपल से सम्मान किया एवं कहां की श्री शर्मा बहुमुखी प्रतिभा के धनी है। उन्होंने सभी शाखाओं में उत्कृष्ट कार्य करके दिखाया। साथ ही अपने जूनियर साथियों के प्रति बहुत ही स्नेह रखते थे। शर्मा की प्रथम नियुक्ति जुलाई 1990 में सहायक ग्रेड तीन के पद पर सिवनी जिले में हुई थी। वर्ष 2005 से शर्मा कलेक्टर कार्यालय नर्मदा पुरम में पदस्थ थे ।

मेट्रो एंकर शिक्षकों के हित में कार्य करने वाले सभी संगठन हुए एकजुट

शिक्षकों की समस्याओं के समाधान के लिए सौंपा ज्ञापन

तेंदूखेड़ा , दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के आवाहन पर राज्य कर्मचारी संघ, आजाद अध्यापक संघ, अजाक्स संघ, एवं समस्त शिक्षकों के हितार्थ कार्य करने वाले संगठनो ने एकजुट होकर शिक्षकों की समस्याओं के समाधान हेतु बिंदुवार ज्ञापन विकासखंड शिक्षा अधिकारी नितेश पांडे को सोपा एवं अपनी मांगों को पूरी करने हेतु अपनी बात रखी विकासखंड शिक्षा अधिकारी ने समस्त मांगों को समय सीमा में पूर्ण करने का आश्वासन दिया। मांगो में मुख्य रूप से परामर्शदात्री समिति की बैठक, संघो के पत्रों का जबाब, अर्जित एवजश का लाभ, सेवापुस्तिका की द्वितीय प्रति, एनपीएस पासबुक एवं मिसिंग कटौती, फिक्सेशन, ग्रीन कार्ड राशि बसूली,एईओ प्रणाली में शालाओं का सही निर्धारण आदि बिन्दुओ को शामिल किया गया।

कस्बाताल शासकीय हाईस्कूल में फर्जी हस्ताक्षर करके गड़बड़झाला करने का मामला

गबन करने वाले पूर्व प्रभारी प्राचार्य पर अभी तक नहीं हुई कोई कार्रवाई

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

सिरोंज विकास खंड अंतर्गत आने वाले शासकीय हाईस्कूल कस्बाताल के पूर्व प्रभारी प्राचार्य जगदीश साहू द्वारा शाला विकास हेतु शासन द्वारा प्रदाय राशि का फर्जी हस्ताक्षर कर दुरुपयोग किया गया जिसकी शिकायत लगभग 2 माह पूर्व जिलाधीश एवं जिला शिक्षा अधिकारी को लिखित रूप में की गई परन्तु 2 माह बीत जाने के बाद भी अधिकारी सिर्फ पत्राचार में लगे है और राशि का दुरुपयोग करने वाले प्रभारी प्राचार्य को बचाया जा रहा है कार्यवाही के नाम पर सिर्फ पद से हटाया गया है जबकि जगदीश साहू द्वारा फर्जी हस्ताक्षर कर शासन के लगभग 72 हजार रुपए का गवन किया है, तथा अभी तक जगदीश साहू द्वारा वर्तमान प्रभारी प्राचार्य को स्कूल का चार्ज नहीं दिया गया है इस विषय पर अधिकारी मौन है उक्त राशि का शाला में न तो कोई निर्माण संबधी कार्य कराया गया है और ना ही किसी प्रकार की कोई सामग्री क्रय की गई है शासन के नियमानुसार अगर कोई सामग्री क्रय की गई है तो उसका भौतिक सत्यापन किया जाता है सामग्री की गुणवत्ता की जांच की जाती है सामग्री से संबंधित बिल बाऊचर आदि देखे जाते है आखिर

अधिकारी के द्वारा अभी तक ऐसी कोई कार्यवाही नहीं गई जबकि इस बात को 2 माह बीत चुके है। कार्रवाई न होना क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। गौरतलब हो कि जिला शिक्षा अधिकारी ने पूर्व माध्यमिक शिक्षक जगदीश साहू शासकीय हाई स्कूल प्रभारी को जारी किया कारण बताओ नोटिस

सिरोंज की ग्राम पंचायत कस्बा ताल शासकीय हाई स्कूल में अतिथि शिक्षक के रूप में पदस्थ श्रृषिता पटेल की शिकायत पर दिनांक 15/4/2025 को कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी विदिशा द्वारा जगदीश साहू को कारण बताओं नोटिस जारी किया है जिसमें उल्लेख किया गया है कि ऋषिता पटेल द्वारा आई.सी.टी. इंस्ट्रक्टर शासकीय हाई स्कूल कस्वाताल द्वारा कलेक्टर एवं जिला शिक्षा कार्यालय में शिकायती आवेदन देखकर अवगत कराया गया था कि उनको सूचना दिए बगैर उनका नाम ऑनलाइन स्वच्छ खाते में लिपिक के रूप में जोड़ दिया गया था जिसकी जानकारी उन्हें नहीं दी गई तथा उनके स्थान पर आपका मोबाइल नंबर जोड़ दिया गया। मेकर अप्रूवर एवं वेरीफायर तीनों पर आपका मोबाइल नंबर अंकित किया गया। ऋषिता पटेल द्वारा आवेदन देने के पश्चात भी उनका नाम नहीं हटाया गया। प्रकरण की जांच विकासखंड शिक्षा अधिकारी विकास खंड सिरोंज से कराई गई,संदर्भित पत्र के द्वारा प्रकरण में जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया जिसके निष्कर्ष के अनुसार आपके द्वारा फर्मों को भुगतान किया गया। मेकर,वेरीफायर तथा अप्रूवल तीनों पर आपका मोबाइल नंबर अंकित था तथा सारे कार्य स्वयं आपके द्वारा किए गए जो की शासन द्वारा प्रदत्त निर्देशों का उल्लंघन होकर नियम विरुद्ध है।

पत्र में उल्लेख किया गया है कि शिक्षकीय पदीय गरिमा के प्रतिकूल एवं पदीय दायित्वों के प्रति लापरवाही के इस कृत के फलस्वरूप आपने स्वयं को मध्य प्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण नियंत्रण तथा अपील) 1965 के नियम 3 व 3 क (1,2,3) का दोषी बना लिया है। क्यों ना आपके विरुद्ध मध्य प्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण नियंत्रण तथा अपील) 1966 के नियम 10 (चार) के तहत कार्रवाई की जावे। इस संबंध में आप अपना स्पष्टीकरण विकासखंड शिक्षा अधिकारी विकासखंड सिरोंज के माध्यम से तीन दिवस में प्रस्तुत करें। स्पष्टीकरण समय सीमा में न होने तथा संतोषजनक न होने की स्थिति में की जाने वाली कार्यवाही का संपूर्ण उत्तरदायित्व आपका होगा।

घूंस का खेल : पहले ठेकेदार ने किया घटिया काम , अब जांच के नाम पर हो रही लीपापोती

सिरोंज। नगर पालिका परिषद क्षेत्र में काम करने वाले अधिकांश ठेकेदारों के द्वारा 18 परसेंट से 25लबिलों में कार्य लेकर भ्रष्टाचार को खुलेआम अंजाम दिया जा रहा है। कुछ काम तो चंद दिनों में ही गढ्ढों में तब्दील हो रहे हैं । इनके घटिया काम की पोल कई बार अधिकारियों को निरीक्षण में खुल चुकी है इसके बाद भी इस तरह से गुणवत्तापूर्ण काम करने वाले ठेकेदारों को ब्लैक लिस्ट नगरपालिका कर रही है। विधायक भी घटिया काम करने वालों पर कार्रवाई की बात करते हैं लेकिन कार्रवाई के नाम पर कुछ नहीं हो रहा है। एक और मामला सामने आया वार्ड नंबर पांच के मिर्जापुर के मोहल्ले में कुछ दिन पहले ही ठेकेदार ने चूरी से सी सी सड़क बनाकर खाना पूर्ति कर दी इसके चलते कुछ दिनों में सड़क गढ्ढों में तब्दील हो गई शिकायत के बाद भुगतान रोक दिया दूसरी ओर जिस समय सड़क का निर्माण हो रहा था उस समय नगर पालिका के इंजीनियर धरातल पर जांच करने के लिए नहीं पहुंचे जैसे यह कि सड़क उखड़ने लगी एवं पार्षद की शिकायत पर इंजीनियर मंगलवार को पार्षद अजमल शेर खान के साथ घटिया काम की जांच करने पहुंचे दूसरी और ठेकेदार घटिया काम को छिपाने के लिए लीपा पोती करने में लगा हुआ है।

मूल्यांकित उत्तरपुस्तिकाओं की पुर्नगणना हेतु दिशानिर्देश जारी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा कक्षा-5 एवं 8 वार्षिक (मुख्य) परीक्षा सत्र 2024-25 की मूल्यांकित उत्तरपुस्तिकाओं की पुर्नगणना प्रक्रिया के संबंध में राज्य शिक्षा केन्द्र दिशा-निर्देश जारी किए जा चुके हैं। कक्षा 5 एवं 8 की वार्षिक मुख्य परीक्षा सत्र 2024-25 के परीक्षा परिणाम की घोषणा उपरांत उत्तरपुस्तिकाओं की पुर्नगणना का प्रावधान किया जा रहा है।

पांचवीं एवं आठवीं बोर्ड परीक्षा के मूल्यांकन उपरांत यदि कोई परीक्षार्थी अथवा अन्य पुर्न गणना करना चाहते हैं तो इसके लिए जारी नियम निम्नानुसार रहेगी-

कक्षा-5 एवं 8 के परीक्षा परिणाम की घोषणा के 5 दिवस पश्चात 03 अप्रैल 25 से परीक्षा पोर्टल पर पुनर्गणना हेतु सुविधा लाईव की जा चुकी है। पुनर्गणना हेतु विद्यालय के माध्यम से छात्रों के पुनर्गणना के आवेदन पोर्टल पर पंजीकृत किये जायेंगे।

विद्यालय तोउचण्पद पोर्टल पर लॉगिन कर पुनर्गणना विंडो को ओपन कर कक्षा 5 या 8 का चयन करें। जिन छात्रों द्वारा विद्यालय के समक्ष उत्तरपुस्तिकाओं की पुनर्गणना हेतु आफ लाईन आवेदन प्रस्तुत किए हैं उनके संबंध में पोर्टल में पंजीकरण करते हुए पुनर्गणना हेतु चयनित विषयों को सबमिट किया जाए। छात्रवार एक से अधिक विषय की उत्तरपुस्तिका की पुनर्गणना कराई जा सकेगी।

पुनर्गणना कराने हेतु पोर्टल पर निर्धारित समयावधि में विषयों का चयन करने एवं विषय को एडिट करने की सुविधा रहेगी। निर्धारित समयावधि के बाद किसी भी परिस्थिति में पुनर्गणना हेतु आवेदन स्वीकार नहीं किये जायेंगे। पुनर्गणना हेतु परीक्षा पोर्टल पर आवेदन दर्ज किए जाने हेतु यह सुविधा ओपन होने के बाद 15 दिवस की समयावधि निर्धारित की गई है।

समग्र ई केवाईसी कार्यो में विदिशा अव्वल

सिरोंज। विदिशा समग्र ई केवाईसी कार्यो में विदिशा प्रदेश में अव्वल हो गया है। आज जारी रैंकिंग सूची के अनुसार विदिशा जिले में 17 लाख 70 हजार हितग्राहियों का समग्र से आधार लिंक कराने के लिए ई केवाईसी कराया जाना अनिवार्य है जिसमें से अब तक ताकि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की लाभ प्राप्ति में किसी भी प्रकार की दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़े। कलेक्टर अंशुल गुप्ता द्वारा समग्र ई केवाईसी कार्यों की हर रोज समीक्षा की जा रही थी। सख्ती के सप्रेक्षित परिणाम परलिक्षित होने लगें। विदिशा जिले में पोर्टल पर अपलोड जानकारी के अनुसार अब तक 61.98 प्रतिशत हितग्राहियों के द्वारा ई केवाईसी कार्यो का संपादन कराया जा चुका है। कलेक्टर श्री गुप्ता ने अभियान के तहत क्रियान्वयन कार्यो में और तेजी लाने के निर्देश दिए ताकि प्रदेश में विदिशा अव्वल हो सके इसके लिए हर रोज लक्ष्य तय किए जा रहे हैं।और उनकी पूर्ति के लिए किए गए प्रयासों के क्या परिणाम प्राप्त हो रहे की जानकारी समीक्षा बैठक के माध्यम से जानी जा रही है। गौरतलब हो कि विदिशा जिले में पंजीकृत समग्र आईडी कि कुल संख्या 17 लाख 70 हजार 116 है। जिसमें से अब तक आन लाइन डाटा के अनुसार 11 लाख 59 हजार 124 के द्वारा ई केवाईसी कार्य को पूरा कराया जा चुका है।

जुआ सट्टे और अवैध नशे का कारोबार शहर में तेज़ी से पसार रहा पैर

जिम्मेदार बेखबर, युवा पीढ़ी का भविष्य हो रहा बर्बाद

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

पिछले कुछ दिनों से नगर में सट्टा खिलाने वाले सक्रिय हो गए हैं हर दिन हार जीत पर दाव लगाने का खेल खुलेआम चल रहा है सट्टा लिखने वाले एजेंट शहर के विभिन्न स्थानों बैठकर पर्ची काटने का काम कर रहे हैं पुलिस प्रशासन के अधिकारीयों इसकी भनक भी नहीं है दूसरी ओर ज्यादा के चक्कर में मेहनत मजदूरी करने वाले अपनी पूंजी इसमें ठिकाने लग रहे हैं ऑनलाइन सट्टे का खेल तो लाखों में चल रहा है उसको पकड़ पाना तो पुलिस की बस में नहीं है। सबसे ज्यादा मजदूर वर्ग इसमें अपने पैसे लग रहा है।इस वजह इनके घरों में खाने के लाले पड़े हैं पर लोभ के चक्कर में मेहनत राशि सट्टे में गवारा है इस खेल को खिलाने वालों पर पुलिस-प्रशासन आला अधिकारियों को सक्रिय होकर कार्रवाई करनी होगी तब इस पर रोक लग पाएगी दूसरी ओर सटोरियों और मुख्य खाई बज को पकड़ने के लिए मुखबिरी को भी एक्टिव करना होगा जिनके द्वारा सट्टा खिलाने बालों के मैं पूरी जानकारी दी जा सकती है पुलिस का खुफिया तंत्र भी सक्रिय नहीं इसके चलते सही जानकारी अधिकारियों को नहीं मिल पा रही है इस और भी ध्यान देना होगा। वैसे सट्टा खिलाने वाले कोट गेट नगर पालिका शादी हाल के पीछे

जनपद के पास हाजीपुर बजरिया की गलियों में दिन भर बैठे रहते इसके अलावा शहर के कई स्थानों पर इस काम को गुप्त तरीके से अंजाम दे रहे हैं।

अवैध नशा भी जोरों पर

शहर में लंबे समय से अवैध रूप से नशे का कारोबार किया जा रहा है इसको बेचने वाले अपने काम को अंजाम दे रहा है इन तक पुलिसकर्मियों के हाथ नहीं पहुंच पा रहे हैं नशे की शौकीन चोरियों को अभी अंजाम दे रहे हैं पहले अपने घरों में करते हैं फिर दूसरों घरों और दुकानों में इस काम को अंजाम देते हैं। इन के इस रवैया से परेशान होकर इससे परेशान होकर कई परिजन कार्रवाई की मांग को लेकर पुलिस प्रशासन स्मैक पाउडर सहित अवैध नशे का व्यापार को अंजाम देने वालों पर ठोस कार्रवाई की मांग कर चुके हैं इसके बाद भी इन पर कार्रवाई नहीं हो रही है इस कारण खुलेआम इस काम को कई जगह अंजाम दिया जा रहा है नगर में अवैध नशे का कारोबार और तेजी से फलफूल रहा है। इसकी लत में फंसकर कई युवा अपना भविष्य खराब कर रहे हैं नशे का शौक पूरा करने के लिये चोरियां भी करते हैं।

कच्ची शराब बेचने वाले भी सक्रिय

इन दिनों कृषि उपज मंडी में आवाक अच्छी हो रही है इसके चलते यहां काम करने वाले मजदूर वर्ग को कच्ची शराब सप्लाई करने के लिए आसपास के ग्रामीण क्षेत्र में कच्ची शराब बनाने वाले बेचने के लिए दिन भर बैठे रहते हैं या फिर इनको पुलिस का भी भय नहीं तभी तो मंडी के सामने बैठकर इस कम को कर रहा है।

अफसरों को कराया अवगत

अवैध नशे की समग्री उपलब्ध कराने वालों पर करवाई करने के लिए विधायक उमाकांत शर्मा भी कई बार मंचों से अधिकारियों से कहा चुके हैं ।इसके बाद भी अवैध रूप से नशे कारोबार करने वाले अपने काम को अंजाम दे रहे हैं । पुलिस-प्रशासन नशे का अवैध रूप से कारोबार करने वालों पर रोक लगाने के लिए कड़ी कार्रवाई धरातल पर नहीं कर रही है । वहीं इसको बंद करने के लिए जड़ पर बल करना होगा होगा दवा बनने पर पुलिस छोटी-मोटी करवाई करके खाना पूर्ति करती है इस वजह से इसका खेल बंद नहीं हो पा रहा है।

सिरोंज टीआई पंकज गीते का कहना है कि मेने अभी ज्वाइन किया है यदि कहीं भी इस तरह का काम हो रहा हैं तो हम कड़ी करवाई करेंगे।

मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत 355 जोड़े परिणयसूत्र में बंधेंगे

251 जोड़े 7 फेरे लेंगे, जबकि 104 जोड़े निकाह कुबूल करके बनेंगे हमसफर

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के अंतर्गत आज कृषि उपज मंडी के परिसर में सुबह 9 बजे सामूहिक सम्मेलन का आयोजन होगा जिसमें कुल 355 जोड़ों ने विवाह निकाह के लिए पंजीयन करवाया है। इसमें 251 जोड़ो का हिंदू रीति रिवाज से विवाह संपन्न होंगे तथा 104 मुस्लिम जोड़ों का मुस्लिम रीति रिवाज से निकाह कराए जाएंगे इसको लेकर प्रशासन के द्वारा कई दिनों से तैयारीयां की जा रही है। वहीं गर्मी को देखते हुए अतिरिक्त इंतजाम भी करने पढ़ेंगे इतनी बड़ी संख्या में जोड़े शामिल होंगे उनके साथ परिजन भी आएंगे उस हिसाब से प्रशासन को व्यवस्थाएं करनी पड़ेगी सबसे बड़ी व्यवस्था छाया और पानी की करनी होगी दूसरी ओर ऐसे जोड़ों की जानकारी प्रशासन जुटानी होगी जिनकी पहले से शादी तो नहीं हो गए उनकी पहचान के लिए भी करनी होगी कुछ वर्ष पहले मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के अंतर्गत विकासखंड में बड़ा गोलमाल हुआ था जिसके आरोप में तत्कालीन को जनपद सीईओ शोभित त्रिपाठी को जेल की हवा भी खानी पड़ी उनका सहयोग करने वाले भी जेल की हवा खा चुके हैं। सम्मेलन की व्यवस्थाओं को को देखने के लिए एसडीएम हर्षल चौधरी पहुंचे और जरूरी दिशा निर्देश भी अधीनस्थ अधिकारियों को दिए।

बाल विवाह की रोकथाम हेतु कंट्रोल रूम का गठन बाल विवाह की सूचना देने नंबर किए जारी

30 अप्रैल अक्षय तृतीया के अवसर पर बाल विवाह की रोकथाम हेतु जिला स्तरीय कट्रोल रूम का दूरभाष नम्बर 07592-299058 को घोषित किया गया है। कट्रोल रूम महिला सशक्तिकरण कार्यालय महिला एवं बाल विकास विभाग दुर्गा नगर मैन रोड के पास सरोज गायकवाड की बिल्डिंग विदिशा में संचालित रहेगा। ब्रजेश जैन मोबाईल नम्बर 9893824557 सहायक संचालक महिला एवं बाल विकास विदिशा को कट्रोल रूम प्रभारी बनाया गया है। चाईल्ड हेल्पलाईन 1098 सीएम हेल्पलाईन 181 डायल 100 एवं वन स्टॉप सेंटर विदिशा में भी बाल विवाह से सबंधित शिकायत दर्ज की जा सकती है।

बाल विवाह रोकने कोर्ट भी करेगा निगरानी

सिरोंज। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण म0प्र0 के आदेशानुसार एवं प्रधान जिला न्यायाधीश श्री जाकिर हुसैन के निर्देशन में बाल अनुकूल योजना 2024 के अतंर्गत तीस अप्रैल अक्षय तृतीया के उपलक्ष्य में हो रहे विवाहों में, विधि के विरूद्ध हो रहे बाल विवाह की रोकथाम हेतु आकस्मिक छापामारी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण विदिशा द्वारा की जावेगी । जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव न्यायाधीश श्री नितेंद्र सिंह तोमर ने बताया कि महिला बाल विकास एवं पुलिस विभाग का भी पूर्ण सहयोग उक्त कार्य में लिया जाएगा। अगर उक्त छापामारी में कोई भी बाल विवाह होना पाया जाता है तो संबंधित व्यक्तियों के विरूद्ध कानूनी कार्यवाही की जावेगी।

महिला बाल विकास विभाग की टीम ने बाल रुकवाया

सिरोंज। विदिशा महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आज ग्राम काफ पुलिस थाना सिविल लाईन अंतर्गत बाल विवाह की शिकायत प्राप्त हुई थी। जिसमें बालिका का विवाह दिनांक 30 अप्रैल 2025 को ग्राम जोहद तहसील गंजबासौदा में होना तय हुआ था। महिला एवं बाल विकास व डायल 100 की टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर बालिका के जन्मतिथि का प्रमाणीकरण लिया गया, तो बालिका की जन्मतिथि 30 अक्टूबर 2010 पायी गई। बालिका नाबालिग होने के कारण परिजनों एवं रिश्तेदारों को समझाईश दी गई। बालिका के माता-पिता से लिखित सहमती ली गई कि बालिका की आयु 18 वर्ष पूर्ण होने पर ही बालिका का विवाह करेंगे।

मेट्रो एंकर जनसुनवाई कार्यक्रम में 176 आवेदन प्राप्त हुए

कलेक्टर ने 100 आवेदनों का मौके पर ही किया निराकरण

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम के माध्यम से आवेदको की समस्याओं का समाधान किया है। मंगलवार 29 अप्रैल को आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में 176 आवेदको के द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर अपनी व्यक्तिगत एवं सार्वजनिक समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित कराया है।

कलेक्टर श्री गुप्ता के द्वारा मौके पर 100 आवेदनो का निराकरण किया गया है शेष लंबित आवेदनों पर समय सीमा में कार्यवाही कर निराकरण की जानकारी पोर्टल पर दर्ज करने के निर्देश उल्लेखित विभागो के अधिकारियों को दिए गए है। कलेक्ट्रेट के भूतल स्थित जनसुनवाई कक्ष के समीप स्वास्थ्य विभाग द्वारा उपचार केम्प के अलावा आयुष्मान कार्ड बनाए जाने के कार्यो का भी संपादन किया जा रहा है।

आज सम्पन्न हुई जनसुनवाई में अपर कलेक्टर अनिल कुमार डामोर, जिला पंचायत सीईओ ओपी सनोडिया, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती शशि मिश्रा, डिप्टी कलेक्टर संतोष बिटौलिया समेत विभिन्न विभागों के जिलाधिकारी मौजूद रहे और वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से अन्य अनुविभागीय राजस्व अधिकारियों एवं खण्ड स्तरीय अधिकारियों से संवाद किया गया है।

कलेक्टर द्वारा उपार्जन कार्यो का जायजा

सिरोंज। विदिशा कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने जिले में जारी उपार्जन कार्यो की अद्यतन स्थिति का जायजा लिया। कलेक्टर चेम्बर में आयोजित इस बैठक में अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर, जिला आपूर्ति अधिकारी श्री अनिल तंतुवाय के अलावा विभिन्न विभागो के अधिकारी मौजूद रहे। कलेक्टर श्री गुप्ता ने उपार्जन कार्यो को क्रियान्वित कराने वाले विभागो के अधिकारियों को सचेत करते हुए निर्देश दिए है कि बारिश के कारण एक भी उपार्जन केन्द्र का अनाज भीगना नहीं चाहिए, खासकर दलहनी फसले अंतर्गत चना पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए है। कलेक्टर श्री गुप्ता ने सुरक्षित स्थलो पर परिवहन कराने के लिए वाहनो की संख्या बढाने के निर्देश दिए है इसके अलावा हरेक उपार्जन केन्द्र पर वैकल्पिक तौर पर की जाने वाली व्यवस्थाओं के तहत तिरपाल की व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए। गेंहू उपार्जन के लिए नियुक्त नोडल व जिला आपूर्ति अधिकारी श्री अनिल कुमार तंतुवाय ने बताया कि समर्थन मूल्य पर गेंहू विक्रय हेतु ई पोर्टल पर 60479 कृषको के द्वारा स्लॉट बुक किए गए है आज दिनांक तक 50377 कृषको से 520608 मेट्रिक टन गेंहू का उपार्जन किया गया है। उपार्जित किए गेंहू में से 46107 कृषको को भुगतान हेतु 1231.35 करोड रूपए के ईपीओ जारी किए जा चुके है जिसमें से 39540 किसानो को 1039.67 करोड का सफल भुगतान किया जा चुका है।

आईपीएल के सबसे युवा शतकवीर वैभव बोले

मेरे लिए पहली गेंद पर छक्का लगाना आम बात

जयपुर , चेन्नई

आईपीएल 2025 में सोमवार को राजस्थान रॉयल्स के 14 साल के वैभव सूर्यवंशी ने पूरी दुनिया को अपना कायल बना दिया। बिहार के इस खिलाड़ी ने 35 गेंद पर शतक लगाकर कई रिकॉर्ड ध्वस्त किए। उन्होंने 38 गेंदों में 11 छक्कों और सात चौकों की मदद से 101 रन की पारी खेलकर टी20 क्रिकेट में अब तक के सबसे कम उम्र के शतकवीर बनकर आईपीएल में धूम मचा दी। अब पूरा क्रिकेट जगत उनके साहसी स्ट्रोकप्ले का कायल हो गया है। हालांकि, वैभव का कहना है कि पहली गेंद पर छक्का लगाना उनके लिए आम बात है। वैभव ने कहा कि गंभीर परिस्थितियों का उन पर कोई खास प्रभाव नहीं पड़ता है।

पहली गेंद पर छक्का लगाना आम बात

वैभव का यह आईपीएल में केवल तीसरा मैच था। उन्होंने लखनऊ सुपरजाएंट्स के खिलाफ आईपीएल में अपने पहले मैच में 20 गेंद पर 34 रन बनाए थे और अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने पहली गेंद पर छक्का लगाया था। वैभव ने यह छक्का शार्दुल ठाकुर की गेंद पर लगाया था। वहीं, शतक पूरा करने के लिए वैभव ने अफगानिस्तान के दिग्गज स्पिनर राशिद खान की गेंद पर छक्का लगाया। गुजरात टाइटंस के खिलाफ अपनी टीम को जीत दिलाने के बाद वैभव ने आईपीएल टी20 वेबसाइट से बात करते हुए कहा, यह मेरे लिए सामान्य बात थी। मैं भारत के लिए अंडर-19 और घरेलू स्तर पर भी खेला हूं। वहां भी मैंने पहली गेंद पर छक्के लगाए हैं। मुझ पर पहली 10 गेंदों को खेलने का दबाव नहीं था। मेरे दिमाग में स्पष्ट था कि अगर गेंद मेरी जद में आएगी, तो मैं उसे मारूंगा।

मां तीन घंटे सो पाती हैं

वैभव ने कहा, ऐसा नहीं था कि मैं सोच रहा था कि यह मेरा पहला मैच है। हां एक अंतरराष्ट्रीय गेंदबाज मेरे सामने था और मंच बड़ा था, लेकिन मैंने केवल अपने खेल पर ध्यान केंद्रित किया। बिहार के समस्तीपुर के इस युवा खिलाड़ी का जन्म आईपीएल शुरू होने के ठीक तीन साल बाद हुआ था। सूर्यवंशी ने इस मुकाम तक पहुंचने में अहम भूमिका निभाने वाले अपने पिता संजीव और मां आरती का भी आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, मैं आज जो कुछ भी हूं अपने माता-पिता की वजह से हूं। मेरे इस स्तर तक पहुंचने में उनका बहुत योगदान है। मेरी मां मेरे अभ्यास सत्र की वजह से रात 11 बजे सो पाती हैं और सुबह तीन बजे उठ जाती हैं। इस तरह से वह मुश्किल से तीन घंटे सो पाती हैं।

पिता ने हमेशा मेरा समर्थन किया

वैभव ने कहा, मेरे पिता ने मेरे लिए अपना काम छोड़ दिया। मेरा बड़ा भाई काम संभाल रहा है और घर बड़ी मुश्किल से चल रहा है, लेकिन पापा मेरा समर्थन कर रहे हैं। भगवान यह सुनिश्चित करते हैं कि जो लोग कड़ी मेहनत करते हैं वे कभी असफल न हों। जो परिणाम हम देख रहे हैं और जो सफलता मैं हासिल कर रहा हूं वह मेरे माता-पिता के कारण है। 14 साल के वैभव सुर्खियों में आने के बावजूद अपने खेल पर ध्यान केंद्रित रखना चाहते हैं और उनका लक्ष्य लंबे समय तक भारत की तरफ से खेलना है। उन्होंने कहा, मैं भारत की तरफ से खेलना चाहता हूं और इसके लिए मुझे कड़ी मेहनत करनी होगी। मैं उस स्तर तक पहुंचने तक कड़ी मेहनत करना बंद नहीं कर सकता। मैं देश के लिए अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश करूंगा।

आईपीएल 2025: पंजाब के खिलाफ किस्मत बदलने की कोशिश करेगी चेन्नई

प्ले ऑफ की दौड़ से लगभग बाहर हो चुकी धोनी की टीम, आज अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद

एजेंसी, चेन्नई

चेन्नई सुपर किंग्स प्ले ऑफ की दौड़ से लगभग बाहर हो चुका है लेकिन वह पंजाब किंग्स के खिलाफ आज होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में अच्छा प्रदर्शन करके अपनी किस्मत बदलने की कोशिश करेगा। पांच बार की चैंपियन चेन्नई के लिए यह सत्र निराशाजनक रहा है और वह नौ मैचों में से सिर्फ दो जीत के साथ तालिका में सबसे नीचे है। दूसरी तरफ पंजाब किंग्स नौ मैचों में पांच जीत के साथ पांचवें स्थान पर है और वह लगातार हार से निराश चेन्नई के खिलाफ जीत दर्ज करके अंक तालिका में अपनी स्थिति मजबूत करना चाहेगा। चेन्नई के लिए सबसे निराशाजनक बात लंबे समय से उसके गढ़ माने जाने वाले चेपक में घरेलू परिस्थितियों से सामंजस्य से बिठाने में असफल रहना है। चेन्नई की टीम प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी धुंधली उम्मीदों को बरकरार रखने के लिए टूर्नामेंट की अपनी तीसरी जीत दर्ज करने के लिए बेताब होगी।

यहां तक कि महेंद्र सिह धोनी जैसा करिश्माई खिलाड़ी भी कोहनी की चोट के कारण बाहर होने वाले रुतुराज गायकवाड़ से कप्तानी संभालने के बाद टीम में जोश भरने में नाकाम रहा है। चेन्नई के युवा खिलाड़ी आयुष म्हात्रे जब पावरप्ले में अर्शदीप सिह का सामना करेंगे तो वह दमदार प्रदर्शन करना चाहेंगे। बीच के ओवरों में सबसे मनोरंजक जंग शिवम दुबे और युजवेंद्र चहल के बीच होने की उम्मीद है। चहल शानदार फॉर्म में हैं और यह देखना दिलचस्प होगा कि चेन्नई का मध्य क्रम उनकी चुनौती से कैसे पार पाता है। प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिह ने पंजाब को शानदार शुरुआत दिलाई है और इन दोनों पर अंकुश लगाने

43 साल के धोनी मैच का सकारात्मक अंत करने में संक्षम

कप्तान श्रेयस अय्यर के रूप में पंजाब को एक ऐसा बल्लेबाज मिला है जो अच्छी तरह से सूत्रधार की भूमिका निभाता है। चेन्नई के स्पिनर नूर अहमद को उनके खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। धोनी 43 साल का होने के बावजूद मैच का सकारात्मक अंत करने में सक्षम हैं लेकिन विजय शंकर, दीपक हुड्डा और राहुल त्रिपाठी जैसे भारतीय बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत है। गेंदबाजी में रवींद्र जड़ेजा, रविचंद्रन अश्विन और मथीशा पथिराना के संघर्ष से भी चेन्नई को मदद नहीं मिली है। पंजाब के पास मार्को यानसन के रूप में बहुत अच्छा ऑलराउंडर है, जबकि गेंदबाजी इकाई का नेतृत्व अर्शदीप और चहल करेंगे।

टीम इस प्रकार हैं

चेन्नई सुपर किंग्स: एमएस धोनी (कप्तान और विकेटकीपर), डेवाल्ड ब्रेविस, डेवोन कॉनवे, राहुल त्रिपाठी, शेख रशीद, वंश बेदी, आंद्रे सिद्धार्थ, आयुष म्हात्रे, रचिन रवींद्र, रविचंद्रन अश्विन, विजय शंकर, सैम कुरेन, अंशुल कंबोज, दीपक हुडा, जेमी ओवरटन, कमलेश नागरकोटी, रामकृष्ण घोष, रवींद्र जडेजा, शिवम दुबे, खलील अहमद, नूर अहमद, मुकेश चौधरी, नाथन एलिस। श्रेयस गोपाल, मथीशा पथिराना।

पंजाब किंग्स: श्रेयस अय्यर (कप्तान), युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिह, मार्कस स्टोइनिस, नेहल वढेरा, ग्लेन मैक्सवेल, विशाक विजयकुमार, यश ठाकुर, हरप्रीत बराड़, विष्णु विनोद, मार्को यानसन, लॉकी फर्ग्यूसन, जोश इंग्लिस, जेवियर बार्टलेट, कुलदीप सेन, पायला अविनाश, सूर्यांश शेडगे, मुशीर खान, हरनूर पन्नू, आरोन हार्डी, प्रियांश आर्य, अजमतुल्लाह उमरजई.

लगातार पांच पारियों में बनाए 50+ स्कोर

वनडे में सबसे तेज 500 रन बनाने वाली भारतीय महिला बनीं प्रतिका

एजेंसी, कोलंबो

भारतीय महिला टीम की युवा बल्लेबाज प्रतिका रावल इन दिनों श्रीलंका दौरे पर हैं और त्रिकोणीय सीरीज में खेलती दिख रही हैं। मंगलवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले में 24 वर्षीय बल्लेबाज ने अर्धशतकीय पारी के साथ बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। वह वनडे में सबसे कम पारियों में 500 रनों का आंकड़ा छूने वाली पहली भारतीय महिला बल्लेबाज बन गईं।

प्रतिका ने हासिल की बड़ी उपलब्धि- त्रिकोणीय सीरीज के दूसरे मुकाबले में प्रतिका रावल ने वनडे में 500 रन पूरे कर लिए। उन्होंने अपने करियर की आठवीं पारी में शानदार अर्धशतक के साथ यह कारनामा किया और इंग्लैंड की चार्लोट एडवर्ड्स को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने नौ पारियों में वनडे में 500 रन पूरे किए थे। सलामी बल्लेबाज ने 91 गेंदों का सामना किया और 78 रनों की धमाकेदार पारी खेली। इस दौरान उनके बल्ले से सात चौके और एक छक्का निकला।

प्रतिका ने की मिताली राज की बराबरी

प्रतिका ने भारत के लिए पिछले साल दिसंबर में डेब्यू किया था। करियर के पहले ही मैच में उन्होंने नाबाद 50 रनों की पारी खेलकर अपने इरादे जाहिर कर दिए थे। दाएं हाथ की बल्लेबाज ने अब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लगातार पांचवां अर्धशतक लगाकर पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज की बराबरी कर ली। दिग्गज बल्लेबाज ने पांच पारियों में लगातार 50+ स्कोर बनाए थे। अब यही कारनामा प्रतिका ने भी किया है।

आईसीसी ने लगाया भारतीय महिला टीम पर जुर्माना

श्रीलंका के खिलाफ मैच में तय समय में गेंदबाजी नहीं करने की मिली सजा

एजेंसी, नई दिल्ली

श्रीलंका के खिलाफ त्रिकोणीय सीरीज के पहले मुकाबले में धीमी ओवर गति के कारण अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भारतीय टीम पर जुर्माना लगाया है। यह मुकाबला रविवार को कोलंबो में ही खेला गया था जिसे हरमनप्रीत कौर की टीम ने नौ विकेट से जीता था।

आईसीसी ने लगाया मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना- आईसीसी ने मंगलवार को भारतीय टीम पर मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया है। क्रिकेट की वैश्विक संस्था ने इसकी जानकारी देते हुए कहा- खिलाड़ियों और टीम के सहयोगी कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 (न्यूनतम ओवर गति से संबंधित) के तहत खिलाड़ियों पर उनके द्वारा आवंटित समय में गेंदबाजी करने में विफल रहने पर प्रत्येक ओवर के लिए उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है।

हरमनप्रीत ने स्वीकार की गलती- भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने अपराध और प्रस्तावित जुर्माने को स्वीकार कर लिया, इसलिए औपचारिक सुनवाई की कोई आवश्यकता नहीं पड़ी। मैदानी अंपायर अन्ना हैरिस और निमाली परेरा, तीसरे अंपायर लिंडन हैनिबल और चौथे अंपायर डेदुनु डी सिल्वा ने आरोप तय किए।

भारत ने जीते दोनों मुकाबले

त्रिकोणीय सीरीज के शुरआती दोनों मैच भारतीय टीम ने जीते हैं। रविवार को कोलंबो में बारिश के कारण पहला मैच 39 ओवर का कर दिया गया था। टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका की महिला टीम ने 38.1 ओवर में 10 विकेट खोकर 147 रन बनाए। जवाब में भारत ने 29.4 ओवर में एक विकेट गंवाकर 149 रन बनाए और 56 गेंदों के शेष रहते मुकाबला अपने नाम कर लिया। ऑफ स्पिनर राणा और बाएं हाथ की स्पिनर चरणी ने आठ-आठ ओवर के अपने कोटे को पूरा करते हुए क्रमशः 31 रन पर तीन और 26 रन पर दो विकेट चटकाए। अनुभवी ऑफ स्पिनर दीप्ति शर्मा ने भी 5.1 ओवर में 22 रन देकर दो विकेट चटकाए। वहीं, त्रिकोणीय सीरीज के दूसरे मुकाबले में भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 15 रन से हराया। मंगलवार को कोलंबो में खेले गए मुकाबले में प्रतिका रावल की अर्धशतकीय पारी के दम पर भारत ने 50 ओवर में छह विकेट खोकर 276 रन बनाए। जवाब में दक्षिण अफ्रीका 49.2 ओवर में 261 रन पर ऑलआउट हो गई। उनके लिए तजमीन ब्रिट्स ने सर्वाधिक 109 रन बनाए। स्नेह राणा ने पांच विकेट लिए जबकि अरुंधति रेड्डी, श्री चरणी और दीप्ति शर्मा ने एक-एक सफलता हासिल की।

मनोरंजन बॉलीवुड का कोना

क्या गे-लेस्बियन पर ही फिल्में बनानी हैं, महाभारत फेम एक्टर ने इंडस्ट्री पर उठाए सवाल

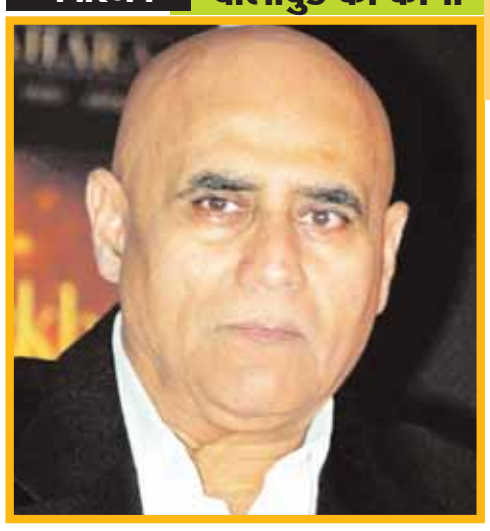

महाभारत शो फेम एक्टर पुनीत इस्सर ने हाल ही में हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की हालत पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि आज की बॉलीवुड फिल्में हकीकत से बहुत दूर हो चुकी हैं और अब ज्यादातर फिल्में सिर्फ एक छोटे से शहरी वर्ग, खासकर साउथ मुंबई के लोगों को ध्यान में रखकर बनाई जाती हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी फिल्मों में जरूरत से ज्यादा भावुकता होती है जो आम भारतीय दर्शकों से जुड़ नहीं पातीं। यही वजह है कि ये फिल्में बॉरिवली से आगे नहीं चल पातीं और फिर ओवरसीज कमाई के नाम पर हिट घोषित कर दी जाती हैं। पुनीत ने अपनी बात को समझाते हुए कहा कि बाहुबली, आरआरआर, बजरंगी भाईजान, गदर और छावा जैसी फिल्में असली मसाला एंटरटेनर्स हैं, जो आम भारतीय दर्शकों के लिए बनाई जाती हैं और उन्हीं के स्वाद के मुताबिक होती हैं। पुनीत ने कहा कि पैरेलल सिनेमा अपनी जगह ठीक है, लेकिन उसकी पहुंच कम होती है। लोगों को अल्लू अर्जुन जैसे स्टार्स क्यों पसंद आते हैं? क्योंकि पुष्पा जैसी फिल्में सीधे आम जनता से जुड़ती हैं। आरआरआर हिट क्यों हुई? क्योंकि साउथ में कॉर्पोरेट्स का दखल नहीं है। वहां मेल-डॉमिनेटेड फिल्में बनती हैं, इसका मतलब ये नहीं कि वो मेल-शॉविनिस्ट हैं। नहीं, साउथ में अल्फा-मेल फिल्में बनती हैं, यही हकीकत है, और लोग यही देखना चाहते हैं।

43 साल पहले आज के दिन ही रिलीज हुई स्टारर फिल्म नमक हलाल

स्मिता पाटिल ने गुस्से में की थी मूवी

अमिताभ, शशि कपूर, स्मिता पाटिल और परवीन बाबी स्टारर ये फिल्म 30 अप्रैल 1982 को रिलीज हुई थी। उस साल की तीसरी सबसे बड़ी हिट रही ये फिल्म, आज 43 साल बाद अमिताभ की सबसे यादगार फिल्मों में गिनी जाती है। इंडस्ट्री की सबसे बड़ी हिट्स में से एक फिल्म की लीड एक्ट्रेस होना किसी भी हीरोइन के लिए एक बड़ी बात होती है। मगर स्मिता पाटिल के लिए नमक हलाल से पहचाना जाना एक असहज करने वाली बात थी। फिल्म शूट होने के वक्त भी वो इतनी अनकम्फर्टेबल थीं कि खुद अमिताभ ने उन्हें बहुत समझाया था तब जाकर वो नमक हलाल पूरी कर सकीं। आइए बताते हैं ये किस्सा। थिएटर के बैकग्राउंड से आईं स्मिता पाटिल ने बतौर न्यूज रीडर करियर की शुरुआत की थी। थिएटर से जुड़े होने के कारण वो फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टिट्यूट के कैम्पस में काफी वक्त बिताती थीं। वहीं पर एक स्टूडेंट फिल्म से उन्हें अपना पहला फिल्म रोल मिला जिससे आइकॉनिक डायरेक्टर श्याम बेनेगल ने उन्हें डिस्कवर किया।

बेनेगल की दमदार फिल्म चरणदास चोर और नेशनल अवॉर्ड विनिंग मंथन जैसी फिल्मों में आईं स्मिता, मेनस्ट्रीम हिंदी फिल्मों के पैरेलल चल रहे आर्टहाउस सिनेमा का चेहरा बनने लगीं। भूमिका से उन्हें नेशनल अवॉर्ड भी मिल गया और बाजार, आज की आवाज और मंडी जैसी फिल्मों ने उन्हें पैरेलल सिनेमा की क्वीन बना दिया था। मगर फिल्म इंडस्ट्री की एक कड़वी सच्चाई हमेशा से रही है कि महत्वपूर्ण फिल्मों को ज्यादा लाइमलाइट दिलाने के लिए ऐसे चेहरों की जरूरत पड़ती है जिनका नाम जनता पहचानती है।

जब सिलसिला कास्ट से काटा गया स्मिता का नाम

अपने 80वें जन्मदिन पर फिल्ममेकर यश चोपड़ा ने शाहरुख खान के साथ एक खास इंटरेक्शन में ये खुलासा किया था कि सिलसिला के लिए उनकी पहली चॉइस जया बच्चन और रेखा नहीं, बल्कि स्मिता पाटिल और परवीन बाबी थीं। दोनों को साइन भी कर लिया गया था। लेकिन जब अमितभ ने चोपड़ा से पूछा कि क्या वो इस कास्टिंग से पूरी तरह खुश हैं? तो वो संशय में आ गए। उन्होंने अमिताभ से कहा कि वो फिल्म में जया और रेखा को कास्ट करना चाहते थे। लेकिन शायद इन दोनों के बीच चल रही टेंशन की वजह से वो ऐसा करने से बच रहे थे। जब अमिताभ को ये पता चला तो उन्होंने चोपड़ा से कहा कि अगर वो जया और रेखा को राजी कर लें तो उन्हें इस फैसले से कोई समस्या नहीं है। चोपड़ा ने पहल की और बात बन गई। अब सिलसिला के लिए पहले से राजी स्मिता और बाबी को मना करना था।

मेट्रो बाजार

इंडसइंड बैंक के सीईओ सुमंत कठपालिया ने इस्तीफा दिया

बैंक के डेरिवेटिव पोर्टफोलियो में गड़बड़ी के बाद फैसला लिया

12 साल तक मैनेजमेंट का हिस्सा रहे

मुंबई। इंडसइंड बैंक के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ सुमंत कठपालिया ने मंगलवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। यह फैसला 29 अप्रैल से ही प्रभावी होगा। कठपालिया ने अपने इस्तीफे का कारण बैंक के डेरिवेटिव्स पोर्टफोलियो में 2.27त्न के नेटवर्थ घाटे से जुड़ी जिम्मेदारी को बताया। उन्होंने कहा, मुझे जो त्रुटियां बताई गईं, उनकी नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए मैं पद छोड़ रहा हूं। कठपालिया 12 साल से बैंक की कोर मैनेजमेंट का हिस्सा रह चुके हैं। इससे पहले, आरबीआई ने कठपालिया के कार्यकाल को सिर्फ 1 साल के लिए बढ़ाया था, जबकि बैंक ने 3 साल का विस्तार मांगा था। अब बैंक ने आरबीआई से अनुरोध किया है कि नया सीईओ चुने जाने तक एक कमेटी बैंक की कमान संभालेगी। इंडसइंड बैंक ने 10 मार्च को एक्सचेंज फाइलिंग में बताया था कि इंटरनल रिव्यू में डेरिवेटिव पोर्टफोलियो में अकाउंटिंग डिस्क्रिपेन्सी यानी गड़बड़ी का पता चला है। इसके चलते बैंक की कमाई में कमी आ सकती है और नेटवर्थ 2.35त्न तक गिर सकती है।

मामला क्या है, प्रभावित कौन होगा?

इंटरनल रिव्यू में पाया गया कि बैंक ने पहले किए गए विदेशी मुद्रा लेनदेन से संबंधित हेजिंग कॉस्ट को कम करके आंका था। इस खुलासे के बाद बैंक ने माना कि इससे उसकी नेटवर्थ पर 1,600-2,000 करोड़ रुपए कम हो सकती है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा डेरिवेटिव्स पर अपडेट किए गए मास्टर निर्देशों के बाद सितंबर और अक्टूबर 2024 के बीच डिस्क्रिपेन्सी की पहचान की गई। बैंक ने बोर्ड मीटिंग के बाद 10 मार्च को अपने एक्सचेंज फाइलिंग में इस बारे में बताया। इसका सबसे बड़ा असर इंडसइंड बैंक और उसके निवेशकों पर पड़ा है। पिछले एक साल में बैंक के शेयर में 56त्न की गिरावट आ चुकी है।

वेरका और मदर डेरी दूध 2 रुपए महंगा: फुल क्रीम 69 और टोन्ड दूध 56 प्रति लीटर मिलेगा

नई दिल्ली। मदर डेयरी और वेरका ब्रांड ने देशभर में दूध के दाम में 2 रुपए लीटर की बढ़ोतरी कर दी है। नई कीमतें आज यानी बुधवार, 30 अप्रैल से ही लागू हैं। इस बढ़ोतरी के बाद अब मदर डेयरी के फुल क्रीम दूध की कीमत 67 से बढ़कर 69 प्रति लीटर और टोंड मिल्क की 54 से बढ़कर ?56 प्रति लीटर हो गई है।

मदर डेयरी ने बताया कि, गर्मी के मौसम में बढ़ती लागत को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। नई कीमतें उन सभी क्षेत्रों में लागू होंगी, जहां मदर डेयरी अपने उत्पाद बेचती है। मदर डेयरी अपने स्टोर, अन्य दुकानों और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के जरिए दिल्ली-ह्रष्टक्रके बाजार में प्रतिदिन लगभग 35 लाख लीटर दूध बेचती है।

मदर डेयरी के अनुसार, पिछले कुछ महीनों में लागत 4 से 5 रुपए प्रति लीटर बढ़ गई है। लागत में ये उछाल मुख्य रूप से गर्मियों की शुरुआत होने के अलावा लू की स्थिति के कारण भी आई है।

वेरका ने बताया कि, दूध की कीमतों में बढ़ोतरी के पीछे कई कारण हैं। इनमें से एक सबसे बड़ी वजह दूध उत्पादन की लागत में इजाफा है। पशु चारे, बिजली, ट्रांसपोर्ट और प्रोसेसिंग की लागत पिछले कुछ महीनों से लगातार बढ़ रही है।

आत्महत्या के लिए उकसाने का प्रकरण दर्ज, आरोपी फरार

कैफे संचालक की प्रताड़ना से तंग आकर महिला ने छत से कूदकर की आत्महत्या

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

ईटखेड़ी थाना क्षेत्र स्थित लांबाखेड़ा इलाके में चौथी मंजिल की छत से कूदकर महिला द्वारा आत्महत्या करने के मामले में 20 दिन बाद पुलिस ने टेटू बनाने वाले कैफे के संचालक के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का प्रकरण दर्ज किया है। मामले की जांच एसडीओपी मंजू चौहान ने की। जांच में खुलासा हुआ कि कैफे संचालक ने महिला से नजदीकी संबंध बना लिए थे। उसने महिला से शादी करने का वादा किया लेकिन बाद में किसी और लडक़ी से शादी कर ली। शादी करने के बाद भी वह महिला का पीछा नहीं छोड़ रहा था। उस पर नजर रखता था और प्रताड़ित कर रहा था। घटना के समय भी आरोपी ने महिला को कॉल कर झगड़ा किया था। फिलहाल आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है।

महिला का पति से तलाक का मामला है लंबित

पुलिस के मुताबिक लांबाखेड़ा ईटखेड़ी निवासी 33 साल की महिला ने करीब तीन साल पहले लव मैरिज की थी। पति से अनबन के चलते एक साल से वह यहां मायके आकर रहने लगी। पति से उसका तलाक का मामला लंबित है। मायके आकर महिला ने टेटू बनाने वाले कैफे में नौकरी कर ली थी। इस बीच कैफे संचालक से उसके नजदीकी संबंध हो गए थे। विगत 10 अप्रैल की रात महिला ने अपने घर की चौथी मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली थी। घटना के समय महिला मोबाइल पर किसी से बात कर रही थी और जोरदार झगड़ा हो रहा था। बातचीत के दौरान महिला रोने लगी और छत से नीचे छलांग लगा दी। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच का जिम्मा एसडीओपी को सौंप दिया। जांच के दौरान पता चला कि कैफे संचालक उमेश प्रजापति से महिला का प्रेम-प्रसंग शुरू हो गया था।

शादी के बाद भी महिला का पीछा नहीं छोड़ रहा था

उमेश ने महिला से शादी करने का वादा किया था। लेकिन बाद में उमेश ने किसी और लडक़ी से शादी कर ली। दूसरी लडक़ी से शादी करने के बाद भी वह महिला का पीछा नहीं छोड़ रहा था। वह महिला को परेशान करता था, प्रताड़ित कर रहा था। उमेश लगातार महिला पर नजर रखता था। किसी और से बात करने पर टोका-टाकी करने लगता था। कहीं जाने पर वह मोबाइल फोन पर महिला की लोकेशन मांगता था। घटना के समय भी उमेश ने ही महिला को फोन किया था। मोबाइल पर दोनों के बीच जमकर झगड़ा हुआ और इस बीच महिला ने रोते हुए चौथी मंजिल की छत से छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली थी। बताया जा रहा है कि आरोपी उमेश घटना से पांच मिनट पूर्व महिला के घर भी पहुंचा था।

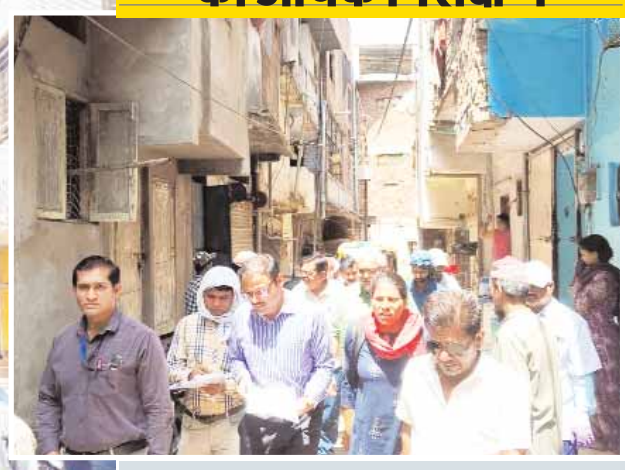

प्रदूषित भूजल बस्तियों का औचक निरीक्षण

यूनियन कार्बाइड के आस पास की 42 प्रदूषित भूजल बस्तियो में पाइप लाइन से साफ पानी की व्यस्था, सीवेज और निकासी की समस्या को देखने, सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित समिति के सदस्यों की टीम बाकी बचे मोहल्लों का निरीक्षण करने हेतु डीआईजी बंगले से शुरुवात कर निरीक्षण किया।

शराब के लिए पैसे मांग रहा था, इनकार करने पर गाल व होंठ पर मारा चाकू

अड़ीबाज बदमाश ने छात्रा के चेहरे पर किए चाकू से वार

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

ऐशबाग थाना क्षेत्र स्थित बाग दिलकुशा इलाके में एक अड़ीबाजी बदमाश ने बीए की पढ़ाई कर रही छात्रा के चेहरे पर चाकू से वार कर दिए। छात्रा के गाल व होंठ पर चाकू लगने से गंभीर चोट आई है। आरोपी छात्रा के कमरे में घुसकर शराब पीने के लिए पांच सौ रुपए की मांग कर रहा था। इनकार करने पर उसने चाकू से हमला कर दिया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक बाग दिलकुशा ऐशबाग निवासी रक्षा जैन (24) कैरियर कॉलेज से बीए की पढ़ाई कर रही है। कुछ समय पहले केपिट्रल पेट्रोल पंप के पास एक कैफे में रक्षा की पहचान मुन्ना उर्फ राजकिशोर शाक्य नामक युवक से हुई थी। कभी-कभार उनके बीच बातचीत होती रहती थी। विगत 27 अप्रैल की रात करीब दस बजे छात्रा अपने रूम में पढ़ाई कर रही थी। उसी दौरान मुन्ना उर्फ राजकिशोर शाक्य जबरन छात्रा के कमरे में घुस गया और शराब पीने के लिए पांच सौ रुपए मांगने लगा। छात्रा रक्षा जैन ने पैसे देने से इनकार कर दिया। इस पर आरोपी राजकिशोर ने छात्रा के चेहरे पर चाकू से वार कर दिया।

छात्रा के गाल व होंठ में आई गंभीर चोट

चाकू का वार लगने से छात्रा के गाल व होंठ पर गंभीर चोट आई हैं। लहुलहान हालत में छात्रा ने अपनी जान बचाने के लिए शोर मचा दिया। शोर सुनते ही रूम मालिक औस आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। लोगों को आता देख मुन्ना उर्फ राजकिशोर शाक्य छात्रा को जान से मारने की धमकी देकर वहां से फरार हो गया। घटना के बाद छात्रा ऐशबाग थाने पहुंची और आरोपी राजकिशोर शाक्य के खिलाफ अड़ीबाजी और धारदार हथियार से हमला करने की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज करा दिया।

फेरी लगाने वाले स्कूटर सवार को ट्रक ने मारी टक्कर

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मिसरोद इलाके में फेरी लगाकर कपड़े बेचने वाले स्कूटर सवार एक युवक को ट्रक ने टक्कर मारकर घायल कर दिया। इधर खजूरी सड़क इलाके में एक आटो चालक ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने दोनों ही मामलों में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार मुकेश कुमार (33) भैंसाखेड़ी बैरागढ़ में रहता और स्कूटर पर फेरी लगाकर कपड़े बेचने का काम करता है। मंगलवार की शाम करीब सवा चार बजे वह बंगरिया चौराहा होते हुए अस्सी फीट रोड होकर सीआरपीएफ कैंप की तरफ जा रहा था, तभी सामने से आ रहे एक ट्रक चालक ने उसकी स्कूटर को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही मुकेश स्कूटर समेत सड़क पर गिरकर घायल हो गया। उसके हाथ-पैर और शरीर में गंभीर चोट आई है। पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। इधर ग्राम खोयरी थाना खजूरी सड़क निवासी मनीष मकवाना ढोल बजाने का काम करता है। सोमवार की रात करीब साढ़े दस बजे वह भोपाल से ढोल बजाकर अपने घर लौट रहा था। खोयरी गांव के पास मेन रोड पर एक आटो चालक ने मनीष की बाइक को टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक को इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से परिजन उसे निजी अस्पताल ले गए। बाद में घायल को भाई जितेंद्र ने थाने जाकर आटो चालक के खिलाफ एक्सीडेंट की रिपोर्ट दर्ज कराई।

छींद धाम दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं की एक्टिवा डिवाइडर से टकराइ

युवक और 8 साल की बच्ची की मौत, मृतक के भाई और बच्ची की मां की हालत गंभीर

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

नर्मदापुरम रोड पर वृंदावन गार्डन के सामने मिसरोद इलाके में मंगलवार सुबह तेज रफ्तार एक्टिवा अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर लगे बिजली के खंभे से टकरा कर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे के समय एक्टिवा पर 8 साल की बच्ची समेत कुल चार लोग सवार थे। हादसे में गाड़ी चला रहे युवक और 8 साल की बच्ची की घटनास्थल पर ही मौत हो गई जबकि एक महिला और मृतक का भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस का कहना है कि एक्टिवा सवार लोग छींद धाम मंदिर के दर्शन कर प्रेमपुरा घाटी की ओर लौट रहे थे। पुलिस ने फिलहाल मर्ग कायम कर तफ्तीश शुरू कर दी है।

दोनों के सिर पर आई थीं गंभीर चोटें

पुलिस के मुताबिक मूलरूप से ग्राम छुड़ा, सतना निवासी चन्द्रहास श्रीवास (28) प्राइवेट काम करता था। सोमवार को वह इंदौर से भोपाल स्थित प्रेमपुरा आया था। इंदौर में चन्द्रहास का परिवार रहता है जबकि इंदौर में परिचित महिला का परिवार रहता है। पुलिस ने बताया कि सोमवार को चन्द्रहास श्रीवास, उसका भाई अजय श्रीवास, परिचित महिला चित्रलेखा व महिला की 8 साल की बेटी महक पंथी एक्टिवा पर सवार होकर छींद धाम मंदिर दर्शन के लिए गए थे। मंगलवार सुबह लौटते समय नर्मदापुरम रोड पर काली मंदिर वृंदावन गार्डन के सामने उनकी एक्टिवा डिवाइडर से टकरा कर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। चन्द्रहास व मासूम महक के सिर में गंभीर चोटें आई थीं। सभी घायलों को एंबुलेंस की मदद से एम्स रवाना किया गया था।

मौके पर कार छोड़कर भागा आरोपी चालक

बाइकसवार दो दोस्तों को कार ने मारी टक्कर, एक की मौत, कार क्षतिग्रस्त

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

नजीराबाद थाना क्षेत्र स्थित खजूरिया जोड़ के पास सोमवार शाम तेज रफ्तार कार ने मोटरसाइकिल पर जा रहे दो दोस्तों को टक्कर मार दी। दोनों को गंभीर हालत में बैरसिया के शासकीय अस्पताल ले जाया गया, जहां एक युवक की मौत हो गई। हादसे के बाद आरोपी चालक कार मौके पर छोड़कर भाग निकला। जोरदार टक्कर लगने से कार भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुई है। मर्ग कायम कर तफ्तीश शुरू कर दी गई है। पुलिस के मुताबिक ग्राम रमहा, नजीराबाद निवासी विशाल सिंह पुत्र दयाल सिंह (22) पढ़ाई करता था। सोमवार शाम करीब साढ़े चार बजे वह अपने दोस्त आजाद के साथ

मोटरसाइकिल पर सवार होकर नजीराबाद की ओर जा रहा था। इस बीच जैसे ही उनकी मोटरसाइकिल ग्राम खजूरिया जोड़ से होकर मेनरोड पर पहुंची, तभी तेज रफ्तार कार के चालक ने लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए उनकी मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी मोटरसाइकिल और कार दोनों ही बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। आसपास मौजूद लोगों ने एंबुलेंस की मदद से दोनों घायलों को बैरसिया के अस्तपाल रवाना किया था। वहां इलाज के दौरा विशाल सिंह की मौत हो गई जबकि उसके दोस्त को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कार के नंबर के आधार पर आरोपी चालक की तलाश की जा रही है।

ब्लिंकिट के डिलीवरी बॉय ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

भोपाल। मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित बीडीए सलैया में सोमवार रात ब्लिंकिट कंपनी के डिलीवरी बॉय ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के समय वह घर में अकेला था। पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। मर्ग कायम कर तफ्तीश शुरू कर दी गई है। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया था। रिपोर्ट आने पर विस्तृत बयान दर्ज किए जाएंगे। उसके बाद ही कारण सामने आने की उम्मीद की जा रही है। पुलिस के मुताबिक बीडीए मल्टी सलैया निवासी तुषार परते (20) ऑनलाइन वस्तुएं सप्लाई करने वाली कंपनी ब्लिंकिट में डिलीवरी ब्वाय का काम करता था। सोमवार रात करीब साढ़े 11 बजे वह घर में अकेला था। उसी दौरान उसने अपने कमरे में फांसी लगा ली। परिजन जब घर पहुंचे तो घटना का खुलासा हुआ। फौरन उसे फंदे से उतारकर नजदीक के निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां परीक्षण के बाद डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

नकली नोटों की गड्डी थमा महिला से जेवर उतरवा लिए बदमाशों ने

एक लडक़े ने होशंगाबाद का पता पूछा, दूसरे ने नकली नोट की गड्डी थमाई

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

ऐशबाग थाना क्षेत्र स्थित अस्सी फिट रोड पर मंगलवार सुबह दो अज्ञात लडक़े एक विधवा महिला को झांसे में लेकर हजारों रुपए के जेवर ले उड़े। पहले एक लडक़े ने आकर होशंगाबाद का पता पूछा, फिर दूसरे लडक़े ने मजबूरी बताकर नोटों की गड्डी देकर महिला के जेवर उतरवा लिए। महिला ने घर जाकर देखा कि पोटली में नोटों की गड्डी की जगह कागज के टुकड़े रखे थे। पुलिस ने अज्ञात लडक़ों के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक जागृति कॉलोनी ऐशबाग निवासी मीरा रैकवार (55) विधवा हैं। वह घरों में साफ-सफाई का काम करती हैं। मंगलवार सुबह करीब साढ़े दस बजे वह एक घर में काम करने के बाद दूसरे घर जा रही थीं। उसी दौरान लोधी मोबाइल शॉप के सामने अस्सी फिट रोड पर एक लडक़ा उन्हें मिला और उसने होशंगाबाद जाने का रास्ता पूछा। महिला ने कहा, होशंगाबाद जाना है तो स्टेशन जाओ। महिला उसे स्टेशन जाने का रास्ता बताने लगी। तभी एक और लडक़ा वहां आया और अपनी मजबूरी बताकर महिला से कहा कि पोटली में नोटों की गड्डी है। यह पोटली लेकर अपने जेवर दे दो। महिला ने पोटली लेकर कान के सोने के टॉप्स, गले की हाय और पैरों की पायल उतारकर दे दी। लडक़ों ने कहा था कि घर जाकर ही पोटली खोलना। लिहाजा महिला ने घर जाकर पोटली खोली तो उसमें कागज के टुकड़े रखे मिले। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी कैमरों के फुटेज में दोनों लडक़े वारदात को अंजाम देते दिखाई दे रहे हैं। हुलिए के आधार पर उनकी तलाश की जा रही है।

करंट से हुई मौत के मामले में हेल्पर के खिलाफ केस दर्ज

भोपाल। परवलिया इलाके में करंट लगने से हुई एक युवक की मौत के मामले में पुलिस ने मर्ग जांच के बाद लाईन हेल्पर के खिलाफ केस दर्ज किया है। जांच में पता चला कि हेल्पर ने बगैर सुरक्षा उपकरणों के युवक को जम्फर जोडऩे के लिए खंभे पर चढ़ाया था, जिसकी करंट लगने से मौत हो गई थी। जानकारी के अनुसार पप्पू मीना (21) ग्राम झापडिय़ा में रहता था और बिजली विभाग में आउट सोर्स कर्मचारी था। पिछले साल अक्टूबर 2024 को लाईन हेल्पर बंटी मीना उसे काम के लिए अपने साथ लेकर गया था। रक्षा बिहार मुबारकपुर में बिजली के खंभे पर काम करते समय पप्पू को करंट लग गया था, जिससे उसकी मौत हो गई थी। मर्ग जांच के दौरान पता चला कि लाईन हेल्पर बंटी मीना ने पप्पू मीना को न्यू पुलिस लाईन फीडर जम्पर जोडऩे को कहा गया, जिसके लिये वह अधिकृत नहीं है।

मेट्रो एंकर | मप्र मानव अधिकार आयोग ने भोपाल जिले के 6 मामलों में संज्ञान लिया

बिना सुरक्षा किट के ही सीवेज चैंबर में काम कर रहे सफाई कर्मी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मप्र मानव अधिकार आयोग ने भोपाल जिले के 6 मामलों में संज्ञान लिया है। पहला मामला शहर में सीवेज शाखा में काम करने वाले 150 से अधिक सफाई कर्मियों को बिना सुरक्षा किट के ही सीवेज चैंबर में उतारकर काम कराए जाने का है। मामले में संज्ञान लेते हुए आयोग ने प्रमुख सचिव, नगरीय विकास एवं आवास विभाग, मंत्रालय एवं आयुक्त, नगरीय प्रशासन एवं विकास, संचालनालय, को जांच के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही आयोग ने दोषी व्यक्तियों के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्यवाही करने तथा सीवरेज चैंबर में सफाई के लिए आवश्यक सुरक्षा उपाय के बिना कार्य न हो, इसके लिए जारी दिशा निर्देशों के संबंध में प्रतिवेदन तलब किया है।

पुलिसकर्मियों ने भरे चौराहे पर युवती को पीटा: भोपाल शहर के अवधपुरी इलाके में एक युवती को वाहन चेकिंग के नाम पर दो पुलिसकर्मियों द्वारा रोककर उसकी चेकिंग करने और पीड़ित युवती के साथ मारपीट कर उसके साथ अभद्रता करने का मामला सामने आया है। मामले में आरोप हैं कि पुलिसकर्मियों द्वारा युवती के साथ चेकिंग के दौरान बैड टच किया गया और जब इसका विरोध किया तो युवती के साथ गंभीर रूप से मारपीट की और झुमाझटकी के दौरान युवती के कपड़े तक फट गए। मारपीट के दौरान युवती के कान-मुंह से खून भी निकलने लगा, यह देखकर पुलिसकर्मी वहां से भाग गए। मामले में आयोग ने पुलिस कमिश्नर, भोपाल

इन मामलों में भी लिया संज्ञान

आयोग ने भोपाल जिले के परी बाजार स्थित रजिस्ट्री ऑफिस में कई अव्यवस्थाओं होने, ईटखेड़ी थाना क्षेत्र स्थित वाइट हाउस के पास अज्ञात वाहन द्वारा सड़क पार कर रहे बुजुर्ग को टक्कर मारने से बुजुर्ग की मृत्यु होने, जहांगीराबाद क्षेत्र में दो सगी बहनों के साथ एक युवक द्वारा दुष्कर्म करने की घटना, हबीबगंज थाना क्षेत्र स्थित जयप्रकाश अस्पताल के पास रात के समय सड़क पार कर रहे एक युवक को अज्ञात कार की टक्कर मारने से उसकी मृत्यु होने के मामले में संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को जांच के निर्देश दिए हैं।

पश्चिम मध्य रेल
ई-निविदा सूचना
... कार्य की लागत: ₹ 1,00,30,701.02/- ... कार्य पूर्ण करने की अवधि: 12 माह ... 19.05.2025, 16.00 बजे ... www.ireps.gov.in ...
(हस्ता.)
मुख्य कारखाना प्रबंधक, सवारी डिब्बा, निशातपुरा, प.म.रे., भोपाल

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022